mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-278 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
07 अक्टूबर 2026 बुधवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉस :

दिल्ली एसीपी विवेक भगत को एडिशनल-डीसीपी चार्ज देने पर रोक

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली सरकार ने ACP विवेक भगत को एडिशनल DCP का चार्ज देने पर रोक लगा दी है। भगत पर 3 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान एक महिला पत्रकार से यौन उत्पीड़न का आरोप है। उनके खिलाफ FIR की मांग को लेकर पिछले 3 दिन से पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने के बाहर प्रदर्शन जारी है। सरकार के मुताबिक, केंद्र शासित प्रदेशों के 12 अधिकारियों को एडिशनल DCP का करेंट ड्यूटी चार्ज यानी CDC देने की प्रक्रिया 25 अगस्त को शुरू हुई थी, यानी मौजूदा विवाद से पहले। 5 अक्टूबर को मंजूरी के बाद आदेश जारी हुआ था।

दिल्ली सरकार के मुताबिक, विवेक भगत ने खुद कहा कि वे महिला पत्रकारों के कथित उत्पीड़न की पूरी जांच होने तक वह अतिरिक्त DCP का चार्ज नहीं लेना चाहते।

सुप्रीम कोर्ट: पैदल चलने वालों की सुरक्षा पर अदालत सत

नई दिल्ली,एजेंसी। देशभर में पैदल चलने वालों की सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वह देश में पांच शहरों की पहचान करे, जहां हर सड़क के साथ अतिक्रमण-मुक्त और स्पष्ट रूप से चिह्नित फुटपाथ बनाने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जा सके। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार से यह भी स्पष्ट करने को कहा कि इन निर्देशों को जमीन पर लागू करने के लिए कौन-सा केंद्रीय प्राधिकरण जिम्मेदार होगा।

पीठ ने केंद्र की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज से कहा कि इस काम के लिए तय की जाने वाली अथॉरिटी के पास पर्याप्त बजट, कर्मचारी और जरूरी बुनियादी ढांचा होना अनिवार्य है, ताकि फुटपाथ निर्माण का काम बिना रुकावट पूरा हो सके।

गुजरात के भावनगर-तलाजा हाइवे पर सड़क हादसा

बोलेरो सवार 6 की मौत

भावनगर,एजेंसी। गुजरात के भावनगर-तलाजा-सोमनाथ हाइवे पर मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ट्रापज गांव के पास सड़क किनारे खड़े ट्रेलर के पीछे एक तेज रफ्तार से बोलेरो घुस गई। हादसे की तस्वीरें सीसीटीवी से सामने आई हैं।

बताया गया है कि बोलेरो में सवार लोग सुबह शिप ब्रेकिंग यार्ड में काम के लिए जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार बोलेरो पीछे की तरफ से ट्रेलर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार छह लोगों की जान चली गई। इन मृतकों की पहचान विजयभाई, साधुभाई, जिगेशभाई, भार्गव भाई, हिरनभाई और योगेशभाई के रूप में बताई गई है जबकि हादसे में घायल जयेश भाई को गंभीर हालत में पहले भावनगर सिविल अस्पताल ले जाया गया था।

फ्रांस में शिक्षकों की कमी को लेकर आंदोलन हिंसक हुआ

● धमाके में 15 साल के छात्र का हाथ उड़ा ● 5 हजार गिरफ्तार, 87% गिरफ्तार नाबालिग

पेरिस,एजेंसी। फ्रांस में शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर छात्र सड़कों पर उतर गए हैं। सितंबर में शुरू हुआ यह आंदोलन अब पूरे देश में फैल गया है। छात्र स्कूलों में बढ़ती भीड़, जर्जर इमारतों और शिक्षकों की कमी का विरोध कर रहे हैं। पिछले एक हफ्ते में छात्रों ने सैकड़ों स्कूलों को बंद कराया। आंदोलन के दौरान कई जगह छात्रों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। लेंस शहर में एक स्कूल के पास हुए धमाके में 15 साल के एक छात्र का हाथ उड़ गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इससे पहले पिछले हफ्ते 14 साल के ईडन नाम के छात्र के सिर पर आंसू गैस का गोला लगने की खबर सामने आई थी। उसके जबड़े में दो जगह फ्रैक्चर हुआ था और उसे बड़ी सर्जरी करानी पड़ी। प्रदर्शन के दौरान कम से कम 190 छात्र घायल हुए हैं, जबकि 5,060 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 87% नाबालिग हैं।

मंगलवार को देशभर में सबसे बड़े प्रदर्शन का ऐलान: मंगलवार को छात्रों के समर्थन में देशभर में प्रदर्शन की तैयारी है। प्रमुख छात्र संगठन यूनियन सिंडिकेल लिसेन ने लोगों से इसमें शामिल होने की अपील की है।

शिक्षकों के संगठनों ने भी अपने सदस्यों से प्रदर्शन में शामिल होने को कहा है। छात्रों का कहना है कि स्कूलों में छात्रों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन उनके मुकाबले कक्षाएं, शिक्षक और दूसरी सुविधाएं नहीं बढ़ाई गई हैं। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबास्तियन लेकोर्नू ने छात्रों और शिक्षा कर्मचारियों की समस्याओं को दूर करने के लिए कुछ कदमों की घोषणा की है। उन्होंने स्कूलों में बदलाव लाने का वादा किया है। हालांकि, हिंसा को लेकर उन्होंने साफ कहा है कि सरकार नरमी नहीं बरतेगी। प्रदर्शन के दौरान कई जगह स्कूलों की नाकेबंदी की गई और कूड़ेदानों में आग लगाई गई। शिक्षा मंत्री एडुआर जॉफ्रे के मुताबिक आंदोलन शुरू होने के बाद से 24 स्कूलों को जला दिया गया या उनमें तोड़फोड़ की गई। स्कूल में अतिरिक्त स्टाफ भेजे जाने के बाद वहां की हड़ताल खत्म हो गई, लेकिन तब तक दूसरे इलाकों में भी विरोध शुरू हो चुका था। इसके बाद विश्वविद्यालयों के छात्र भी आंदोलन में शामिल हो गए। छात्र नेता मानेस नडेल के मुताबिक, जब शुरुआती स्कूल में हड़ताल खत्म हुई, तब तक दूसरे इलाकों में आंदोलन फैल चुका था। उनका दावा है कि इतनी बड़ी संख्या में स्कूल पहले कभी किसी आंदोलन में शामिल नहीं हुए थे।

21 सितंबर को छोटे से विरोध से शुरू हुआ आंदोलन... आंदोलन की शुरुआत 21 सितंबर को पेरिस के एक स्कूल से हुई थी। छात्रों की मांग थी कि स्कूल में स्टाफ और संसाधनों की कमी दूर की जाए।

यूपी के 3 जिलों में ओले गिरे, लखनऊ में मंदिर डूबे

● बिहार में बाढ़ से 8 लाख प्रभावित ● एमपी-बिहार समेत 9 राज्यों में बारिश का अनुमान

लखनऊ/ पटना/ भोपाल/ जयपुर, एजेंसी। देश के ज्यादातर राज्यों से मानसून लौट चुका है। हालांकि, मध्य प्रदेश के 9 जिलों में चक्रवात के असर के चलते अगले 4 दिन बारिश होने का अनुमान है। वहीं, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, यूपी, हिमाचल, छत्तीसगढ़ और झारखंड में बारिश की संभावना है।

यूपी के बाराबंकी, प्रतापगढ़ और सुल्तानपुर में सोमवार रात आंधी-बारिश के साथ ओले गिरे। आंधी से पेड़-बिजली के पोल गिर गए। फसलों को भी नुकसान हुआ। पहाड़ों पर बारिश के बाद 10 नदियां उफान पर हैं और लखनऊ-सीतापुर समेत 11 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। लखनऊ में गोमती नदी का जलस्तर लगातार 8वें दिन बढ़ रहा है। फैजुल्लागंज में करीब 40 हजार घरों में 4-5 फीट पानी भर गया है। बाढ़ का पानी मां चंद्रिका देवी मंदिर और हनुमंत धाम परिसर में भी पहुंच गया। लेटे हनुमान मंदिर के गर्भगृह में करीब 20 साल बाद पानी पहुंचा है। इससे पहले 2006 में ऐसी स्थिति बनी थी। बिहार में 6 जिलों के करीब 466 गांव बाढ़ की चपेट में हैं।

करुणा और सेवा भावना के साथ काम करें चिकित्सक

दूरदराज के क्षेत्रों में सेवा से पीछे न हटें : राष्ट्रपति

शिमला,एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने चिकित्सकों से चिकित्सा पेशे को केवल आजीविका का साधन न मानकर करुणा, संवेदनशीलता और निःस्वार्थ सेवा का माध्यम बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों का व्यवहार ऐसा होना चाहिए, जिससे मरीजों को आत्मीयता का अनुभव हो और संस्थान की प्रतिष्ठा बढ़े। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों को ईश्वर की संज्ञा दी जाती है और मानवता की सेवा उनका मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। राष्ट्रपति ने मंगलवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बिलासपुर के पहले दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने एम्स बिलासपुर के प्रथम बैच के 89 प्रशिक्षु डॉक्टरों को उपाधियां प्रदान कीं और पांच मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। उन्होंने प्रथम बैच के सभी उत्तीर्ण छात्रों और स्वर्ण पदक विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि इस संस्थान के पहले बैच का हिस्सा होना उनके लिए गर्व और ऐतिहासिक क्षण है।

राष्ट्रपति ने कहा कि डॉक्टरों का मूल कर्तव्य बीमारी की सटीक पहचान और उसका इलाज करना है, लेकिन इसके साथ मरीज के प्रति संवेदनशीलता और करुणा का भाव भी जरूरी है। डॉक्टर का सहानुभूतिपूर्ण और आत्मीय व्यवहार मरीज के इलाज में मददगार साबित होता है। उन्होंने युवा चिकित्सकों से कहा कि वे ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के प्रति प्रेम और अपनत्व का भाव रखें।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में दुर्गम क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना एक बड़ी चुनौती है। चिकित्सकों के प्रयास और मनोबल से इस चुनौती का सामना किया जा सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि एम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से प्रशिक्षित डॉक्टर दूरदराज और पहाड़ी क्षेत्रों में अपनी सेवाएं देने से पीछे नहीं हटेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि कई बार डॉक्टर दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में सेवाएं देने से कतराते हैं, लेकिन एम्स जैसे संस्थान से निकलने वाले चिकित्सकों से देश को अलग उम्मीद है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना चिकित्सकों के जीवन का मुख्य ध्येय होना चाहिए। सच्ची आत्मसंतुष्टि निःस्वार्थ सेवा से मिलती है।

स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती लागत का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि दवाओं और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की कीमतें आम लोगों के लिए चिंता का विषय हैं।

भाजपा बोली: सुप्रीम कोर्ट ने फॉर्म 6 अटैचमेंट को सही ठहराया

● एसआईआर पर सभी चुनाव आयुक्त सहमत ● चुनाव आयोग ने राहुल का फैक्ट चेक किया

नई दिल्ली,एजेंसी। भाजपा के प्रवक्ता संबित पात्रा ने मंगलवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि फॉर्म 6 में चुनाव आयोग ने कोई बदलाव नहीं किया, सिर्फ अटैचमेंट जोड़ा है। उन्होंने कहा कि 27 मई को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि SIR के लिए फॉर्म 6 काफी नहीं है इसलिए जरूरी है इसमें चुनाव आयोग कोई और कागजात भी जारी करे।

उन्होंने दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट कहती है ये फॉर्म 6 के साथ जो डॉक्युमेंट चुनाव आयोग ने दिया है उसपर हमें कोई आपत्ति नहीं है। BJP ने राहुल गांधी पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है। राहुल गांधी ने कल एक्स पर पोस्ट कर कहा था कि फॉर्म-6 में बदलाव गैरकानूनी है। इसके बाद चुनाव आयोग ने भी पोस्ट कर राहुल का फैक्ट चेक करने का दावा किया था।

राहुल ने कहा था- ज्ञानेश कुमार ने फॉर्म-6 में गैरकानूनी बदलाव किया: कोर्ट की टिप्पणी के बाद नेता विपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा था- अब यह पूरी तरह साबित हो चुका है कि ज्ञानेश कुमार ने फॉर्म-6 में गैरकानूनी और एकतरफा बदलाव किया। हालांकि, चुनाव आयोग ने राहुल के दावे को गलत बताया।

चुनाव आयोग ने राहुल का फैक्ट चेक किया... चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के दावे को गलत बताते हुए कहा कि बिहार में SIR का आदेश 24 जून 2025 को पूरे आयोग की एकराय सहमति से जारी हुआ था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने 27 मई 2026 के अपने फैसले में पूरी तरह सही ठहराया है।

पश्चिम बंगाल का नाम बदलने की तैयारी

समिक भट्टाचार्य बोले- अगले सत्र में बिल लाएगी सरकार

1999 में ज्योति बसु ने सबसे पहले प्रस्ताव रखा था

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल का नाम बदलकर पश्चिम बंग करने के लिए राज्य सरकार जल्द विधानसभा में बिल पेश कर सकती है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने सोमवार को कोलकाता में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बिल विधानसभा के इसी सत्र में भी पेश किया जा सकता है। राज्य का नाम पश्चिम बंग रखने का फैसला उसके इतिहास से जोड़ने के लिए किया गया है।

भट्टाचार्य वाराणसी में प्रस्तावित पश्चिम बंग भवन को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस में सवालों के जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि अब बांग्ला या वेस्ट बंगाल जैसे नाम नहीं बोलने पड़ेंगे।

पश्चिम बंगाल का नाम बदलने की कोशिशें 1999 में शुरू हुई थीं, जब ज्योति बसु की वाम मोर्चा सरकार ने राज्य का नया नाम 'पश्चिम बंग' रखने का प्रस्ताव पेश किया था।

उन्होंने कहा कि वाराणसी का बंगाल से लंबे समय से संबंध रहा है। दोनों के बीच आध्यात्मिक जुड़ाव भी है। वहां पहला महिला कॉलेज एक बंगाली ने बनवाया था।

वाराणसी में बनेगा पश्चिम बंग भवन... भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य के संस्कृति और पर्यटन विभाग ने केंद्र सरकार और कूच बिहार के राजपरिवार के वंशजों के साथ मिलकर वाराणसी में पश्चिम बंग भवन बनाने की योजना बनाई है। जो राज्य के सांस्कृतिक केंद्र के रूप में काम करेगा। यहां बंगाल से आने वाले पर्यटकों और तीर्थयात्रियों के लिए ठहरने की सुविधा भी होगी।

अफगानिस्तान ने चीन तक बनाई सड़क, भारत के लिए चिंता

121 किमी का वाखान कॉरिडोर चीन के लिए सीधा रास्ता, लद्दाख के पास बढ़ेगा असर

काबुल/नई दिल्ली,एजेंसी। अफगानिस्तान ने उत्तर-पूर्वी बदख्शां प्रांत में वाखान कॉरिडोर के जरिए चीन के शिनजियांग तक 121 किलोमीटर लंबी सड़क बना ली है। करीब 55 लाख डॉलर की लागत से बनी इस सड़क का उद्घाटन भी हो गया है। यह सड़क अफगानिस्तान और चीन के बीच पहला सीधा जमीनी रास्ता है।

तालिबान सरकार इस सड़क के जरिए अपने प्राकृतिक संसाधनों और सोने की खदानों को चीन के बाजार तक पहुंचाना चाहती है। इससे उसे दूसरे देशों और विदेशी कंपनियों पर अपनी निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है।

पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच इस रास्ते को रणनीतिक तौर पर भी अहम माना जा रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अफगान विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी से मुलाकात के दौरान कहा था कि भारत की नजर वाखान में हो रही गतिविधियों पर है।

इस रास्ते से चीन को अफगानिस्तान के सोने और दूसरे खनिजों तक आसानी से पहुंच मिल सकती है। साथ ही ईरान और मध्य पूर्व के बाजारों तक भी जमीनी रास्ता मिल सकता है।

भारत के लिए चिंता का विषय क्यों: वाखान कॉरिडोर भारत के दावे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान के पास है। ऐसे में इस इलाके में चीन की बढ़ती मौजूदगी भारत के लिए चिंता की बात मानी जा रही है। यह क्षेत्र लद्दाख के भी करीब है। इससे भारत को उत्तरी सीमा पर निगरानी और सुरक्षा बढ़ानी पड़ सकती है।

चीन के लिए खनिज-कनेक्टिविटी का रास्ता... चीन के लिए वाखान कॉरिडोर शिनजियांग की सुरक्षा और व्यापार के लिहाज से महत्वपूर्ण है। चीन ने इसी साल इस इलाके में नया प्रशासनिक कॉरिडोर भी बनाया है।

असम के जागीरोड में देश का सबसे बड़ा सेमीकंडक्टर प्लांट:

ट्रायल रन शुरू, रोज बनेगी 4.8 करोड़ चिप; करीब 40 हजार जॉब पैदा होंगे

जागीरोड,एजेंसी। असम के जागीरोड, मोरीगांव में बन रहा टाटा समूह का सेमीकंडक्टर प्लांट देश का सबसे बड़ा सेमीकंडक्टर प्लांट है। पूरी तरह से चालू होने पर इस प्लांट की उत्पादन क्षमता रोजाना करीब 4.8 करोड़ सेमीकंडक्टर चिप तक होने की उम्मीद है। करीब 592 एकड़ में फैले इस प्लांट में ट्रायल रन शुरू हो चुका है।

यहां वायर बॉन्डिंग, फ्लिप चिप और फैन-आउट जैसे एडवांस्ड सेमीकंडक्टर पैकेजिंग तकनीक का इस्तेमाल होगा। वहीं चिप से ऑटोमोटिव, हेल्थकेयर, टेलीकम्युनिकेशन और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों की जरूरत पूरी होगी। प्लांट बना रही इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी के मुताबिक, यह प्लांट 27 से 40 हजार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार देने की क्षमता रखता है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के मुताबिक, इस साल दिसंबर या 2027 जनवरी में क्रू मोदी इस प्लांट का आधिकारिक उद्घाटन कर सकते हैं। सेमीकंडक्टर फैब के बाद यह दुनिया की सबसे बड़ी सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्ट फैसिलिटी होगी।

वाइब्रेशन, पॉल्यूशन से बचाव के उपाय: यह प्लांट जहां बना है, वहां जंगली हाथियों के झुंड घूमते हैं। सेमीकंडक्टर उत्पादन में नैनोमीटर स्तर की सटीकता जरूरी है। हाथियों का भारी कदम इतना वाइब्रेशन पैदा कर सकता है कि चिप असेंबली मशीनों में गड़बड़ी हो जाए।

इससे बचाने के लिए प्लांट के चारों ओर ग्रीन बेल्ट और रोडसाइड कंक्रीट, स्टील की मजबूत 'एलिफेंट-प्रूफ' दीवार बनाई गई है। सांपों से बचाव के लिए स्नेक रेस्क्यू टीम के अलावा वर्कर्स को भी ट्रेनिंग दी गई है।

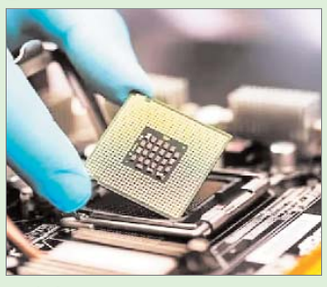

विदेश की नौकरी छोड़कर असम के युवा दे रहे इंटरव्यू... असम में तैयार हो रहे सेमीकंडक्टर प्लांट में दूसरे देशों में काम कर रहे असमिया युवा खास रुचि ले रहे हैं। कई हाई-स्किल्ड युवा प्रोफेशनल्स ने विदेश की नौकरी छोड़कर असम लौटने का फैसला किया है। कई के इंटरव्यू हो चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

असम के नागांव जिले में भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 4.5 रही तीव्रता

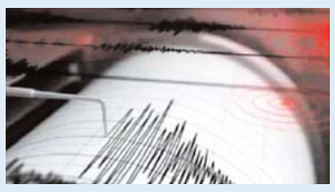

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के नागांव जिले में मंगलवार तड़के मध्यम तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.5 मापी गई। एनसीएस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि भूकंप के झटके सुबह 4 बजकर 23 मिनट पर दर्ज किए गए। इस भूकंप का केंद्र नागांव में जमीन से लगभग 33 किलोमीटर की गहराई में था। तड़के आए इन झटकों से लोगों में अफरा-तफरी मच गई, हालांकि अब तक किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की खबर सामने नहीं आई है।

हिमाचल प्रदेश के ऊना भी भूकंप के झटके: इससे पहले, रविवार देर रात हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में भी हल्के भूकंप के झटके दर्ज किए गए थे। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, ऊना में आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.5 मापी गई थी। यह भूकंप रात 11 बजकर 48 मिनट पर आया था, जिसका केंद्र जमीन से महज 9 किलोमीटर की गहराई में था। कम गहराई होने के बावजूद झटके हल्के थे और किसी भी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं मिली।

तमिलनाडु के नए सचिवालय प्रस्ताव को चुनौती देने वाली पीआईएल खारिज, मद्रास हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को लगाई फटकार

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में नया सचिवालय भवन बनाने के प्रस्ताव के खिलाफ दायर जनहित याचिका को मद्रास हाई कोर्ट ने सोमवार को खारिज कर दिया। याचिका में तमिलनाडु सरकार को फोरशोर एस्टेट में नया सचिवालय बनाने का प्रस्ताव छोड़ने का निर्देश देने की मांग की गई थी। मुख्य न्यायाधीश एस.ए. धर्माधिकारी और जस्टिस जी. अरुल मुरुगन की पीठ के समक्ष अधिवक्ता आरएस. तमिलवेंदन की याचिका पर सुनवाई हुई। याचिका में दावा किया गया था कि करीब 1,200 करोड़ रुपये की लागत से सचिवालय बनाने से सरकारी धन की बर्बादी होगी और क्षेत्र के मछुआरों के हित प्रभावित होंगे। इस पर पीठ ने फटकार लगाते हुए कहा, आपको पता होना चाहिए कि जनहित याचिका का क्या अर्थ है। कम से कम आपको कुछ होमवर्क और रिसर्च तो करना चाहिए। अदालत के पास ऐसा कौन-सा अधिकार है, जिसके तहत वह सरकार को किसी खास जगह पर भवन बनाने से रोक सकती है अदालत द्वारा भारी जुर्माना लगाने की बात कहे जाने पर याचिकाकर्ता ने याचिका वापस लेने का अनुरोध किया, जिसके बाद इसे वापस लिया हुआ मानकर खारिज कर दिया गया।

कैबिनेट ने 10,000 करोड़ रुपए के एसएमई ग्रोथ फंड को दी मंजूरी, छोटे उद्योगों के लिए बढ़ेगी फंडिंग

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने मंगलवार को 10,000 करोड़ रुपए के एसएमई ग्रोथ फंड (एसजीएफ) को स्थापित करने को मंजूरी दे दी है। इसका उद्देश्य भारत के छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) के लिए विकास केंद्रित पूंजी को बढ़ावा देना और मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन-आधारित सेक्टर और रणनीतिक वैल्यू चेन में बेहतरीन भारतीय उद्यमों के विस्तार को सक्षम बनाना है। यह केंद्रीय बजट 2026-27 में की गई उन व्यापक घोषणाओं का हिस्सा था, जिनका मकसद पूरे एमएसएमई इकोसिस्टम के लिए इक्विटी, लिक्विडिटी और प्रोफेशनल सपोर्ट उपलब्ध कराना था। कैबिनेट की ओर से जारी बयान में कहा गया कि ऐसे कई फंड मौजूद हैं जो इक्विटी सपोर्ट देते हैं, लेकिन उनमें से ज्यादा शुरुआती दौर के और मुख्य रूप से बहुत छोटे उद्यमों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) के लिए इक्विटी ग्रोथ कैपिटल के मामले में एक संरचनात्मक कमी थी। बयान में आगे कहा गया कि यह अहम पहल 'विकसित भारत 2047' के विजन को साकार करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसके तहत भारत के एंटरप्रेन्योरशिप इकोसिस्टम को मजबूत किया जाएगा, ग्रोथ-स्टेज वाली कंपनियों के लिए घरेलू कैपिटल मार्केट को और बेहतर बनाया जाएगा और ऐसी भारतीय कंपनियों की एक नई पीढ़ी तैयार की जाएगी जो ग्लोबल लेवल पर मुकाबला करने में सक्षम हों। एसएमई भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और रोजगार पैदा करने, एक्सपोर्ट, मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट और इनोवेशन में अहम भूमिका निभाते हैं।

पंजाब में डी-सिल्टिंग रोकी तो आएगी तबाही, एनजीटी में सरकार का बड़ा तर्क, 2025 की बाढ़ का दिया हवाला

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब सरकार ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में कहा है कि बाढ़ प्रबंधन, नदियों और ड्रेनों की जलप्रवाह क्षमता बहाल करने तथा भविष्य की आपदाओं से बचाव के लिए की जाने वाली वास्तविक डी-सिल्टिंग (गाद निकालने) और ड्रेजिंग को केवल इसलिए व्यावसायिक खनन नहीं माना जा सकता। दरअसल निकाली गई सामग्री का आर्थिक मूल्य हो सकता है। राज्य सरकार ने यह पक्ष पंजाब में डी सिल्टिंग पर पूरी तरह रोक लगाने की मांग से संबंधित आवेदन की सुनवाई के दौरान रखा। सरकार ने कहा कि डी-सिल्टिंग पर ब्लैंकेट रोक लगाने से उसके कई जरूरी वैधानिक कार्य प्रभावित होंगे। इनमें बाढ़ प्रबंधन, नदियों और ड्रेनों की क्षमता बहाल करना, तटबंधों की सुरक्षा तथा भविष्य में बाढ़ से होने वाली आपदाओं की रोकथाम शामिल है। पंजाब ने एनजीटी के समक्ष स्पष्ट किया कि रखरखाव, पुनर्बहाली और आपदा प्रबंधन के लिए की जाने वाली डी-सिल्टिंग और ड्रेजिंग को खनिजों के व्यावसायिक दोहन और बिक्री के लिए किए जाने वाले खनन से अलग रखा जाना चाहिए। हालांकि, राज्य सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) अधिसूचना, 2006 के परिशिष्ट-ढ्ढढ्ढ के आइटम-7 में मुख्य प्रबंधन के लिए ड्रेजिंग और डी-सिल्टिंग को दी गई छूट का इस्तेमाल व्यावसायिक खनन को छिपाने के लिए नहीं किया जा सकता। सरकार ने कहा कि उसका इरादा ऐसी किसी गतिविधि को अनुमति देने का नहीं है, जो वास्तविकता और प्रभाव में व्यावसायिक खनन हो, लेकिन उसे डी-सिल्टिंग के नाम पर कराया जाए।

2025 की बाढ़ का दिया उदाहरण: पंजाब सरकार ने अपने पक्ष में वर्ष 2025 में आई अभूतपूर्व बाढ़ का हवाला दिया। सरकार के अनुसार, 2025 के मानसून में पंजाब में 622.1 मिलीमीटर बारिश हुई, जो सामान्य से 41 प्रतिशत अधिक थी। इस दौरान सतलुज, ब्यास, रावी और घग्गर नदी तंत्र में भी असाधारण रूप से अधिक पानी आया। बाढ़ के कारण नदी चैनलों, ड्रेनों, तटबंधों और बाढ़ प्रबंधन से जुड़े अन्य ढांचों को नुकसान पहुंचा। राज्य ने यह भी बताया कि 16 सितंबर 2025 के केंद्रीय गृह मंत्रालय के पत्र में केंद्रीय अंतर-मंत्रालयी टीम द्वारा स्थिति का आकलन किए जाने का उल्लेख था। टीम ने व्यावहारिक तौर पर स्थिति को 'गंभीर प्रकृति की आपदा' माना था। इसके बाद जल संसाधन विभाग ने नदियों, ड्रेनों और अन्य जलमार्गों की जलप्रवाह क्षमता को बहाल करने और बनाए रखने के लिए निवारक तथा सुधारात्मक कार्य शुरू किए। साथ ही बाढ़ प्रबंधन से जुड़े ढांचों को मजबूत करने के काम भी किए गए। रा ज्य ने कहा कि ये कार्य उसकी वैधानिक जिम्मेदारियों का हिस्सा हैं और पंजाब कैनाल एंड ड्रेनेज एक्ट, 2023 की धारा 38 के तहत भी ऐसे कार्य किए जाते हैं।

एनजीटी के अंतरिम निर्देश के बाद एसओपी: पंजाब ने एनजीटी के अंतरिम निर्देश का भी उल्लेख किया, जिसमें सरकारी एजेंसियों या अन्य माध्यमों से मेंटेनेंस, अपकीप और डिजास्टर मैनेजमेंट के लिए डी-सिल्टिंग की अनुमति दी गई है।

इसकी शर्त यह है कि इसका इस्तेमाल व्यावसायिक रेत खनन के लिए नहीं होना चाहिए। इसी निर्देश के बाद जल संसाधन विभाग ने 15 जून 2026 को आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत महत्वपूर्ण स्थानों पर नदी की जलप्रवाह क्षमता बहाल करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की। इसमें महत्वपूर्ण स्थलों की पहचान, काम शुरू करने से पहले तकनीकी आकलन और राज्य तकनीकी मूल्यांकन समिति से स्वीकृत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के आधार पर काम कराने का प्रावधान किया गया।

डी-सिल्टिंग की आड़ में नहीं होने देंगे अवैध खननः विभाग के मुख्य अभियंता/ड्रेनेज-कम-माइनिंग ने 99 डी-सिल्टिंग साइटों की पहचान कर उनकी जिला स्तर की सूची 16 जून को उपायुक्तों को भेजी। इन स्थानों पर आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत जमीन मालिकों या एसओपी के अनुसार काम कराने की व्यवस्था की गई। इसके बाद 16 जुलाई को विभाग ने 37 और साइटों की सूची भेजी।

इसमें वॉल्यूम-शेयर और प्राइस-बिड टेंडर मॉडल वाले स्थान शामिल थे। साथ ही उन साइटों को भी सूची में रखा गया, जिन्हें पहले जमीन मालिकों को आवंटित किया गया था, लेकिन विरोध या अन्य कारणों से वहां काम रुक गया था। उपायुक्तों को महत्वपूर्ण नदी स्थलों पर जरूरत का आकलन करने और जमीन मालिकों अथवा एसओपी के तहत डी-सिल्टिंग का काम कराने के निर्देश दिए गए। राज्य सरकार ने एनजीटी को स्पष्ट किया कि बाढ़ प्रबंधन और आपदा से बचाव के लिए ऐसे कार्यों को व्यावसायिक खनन के बराबर नहीं रखा जा सकता, लेकिन डी-सिल्टिंग की आड़ में होने वाले वास्तविक व्यावसायिक खनन की अनुमति भी नहीं दी जाएगी।

फॉर्म 7 की आपत्तियों पर अभी तक किसी का नाम नहीं हटाया गया, कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने दी जानकारी

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में स्पेशल इंटेंसिव रिव्यू के दौरान भारतीय जनता पार्टी और जनता दल (सेक्युलर) के कार्यकर्ताओं पर आरोप लगा कि उन्होंने बड़े पैमाने पर वोटर लिस्ट से हजारों नाम हटवाने की कोशिश की है। बीजेपी और कार्यकर्ताओं पर लगे इन आरोपों के बीच राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी वी. अंबुकुमार ने सोमवार को कहा कि फॉर्म 7 के जरिए एक भी नाम नहीं हटाया गया है। फॉर्म 7 का इस्तेमाल तब होता है, जब वोटर लिस्ट में किसी नाम को शामिल करने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई जाती है या उसे हटाने की मांग की जाती है।

फॉर्म 7 के जरिए नहीं हटा कोई नाम: कर्नाटक में 16 जून से 4 अक्टूबर के बीच ऐसी 91,278 अर्जियां मिलीं। 23 सितंबर तक, जब दावे और आपत्तियों का चरण खत्म हुआ था, तब तक यह संख्या 58,220 थी। इनमें से कोई भी नाम शामिल करने के प्रस्ताव पर आपत्ति नहीं थी। मुख्य चुनाव अधिकारी वी. अंबुकुमार ने कहा कि इन पर 22 अक्टूबर से पहले कार्रवाई की जाएगी और आखिरी सुनवाई 12 अक्टूबर को होगी। अंबुकुमार ने करीब छह घंटे की बातचीत के बाद कहा कि उन्होंने बड़ी संख्या में आई अर्जियों का लिखित रूप में संज्ञान लिया है और गलत बयानों की जांच के आदेश दिए हैं। कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने कहा कि उन्हें 7-10 दिन पहले ही बड़ी संख्या में अर्जियां दाखिल होने के बारे में पता चला था। इस पर उन्होंने अधिकारियों को कार्रवाई करने के लिए कहा था। चुनाव पंजीकरण अधिकारी की ओर से कोई स्रढ्ढक्र दर्ज नहीं कराई गई है। उन्होंने कहा, 'सात दिन का नोटिस पीरियड अभी बाकी है।' अब तक जो स्रढ्ढक्रदर्ज की गई हैं, वे निजी व्यक्तियों द्वारा ब्लह्स के तहत दर्ज कराई गई हैं और मामला अदालत में विचाराधीन है। जब तक जरूरी न हो, के पास न जाएं मुख्य चुनाव अधिकारी कुमार ने कहा कि चल रही स्ढ्ढक्रप्रक्रिया के दौरान सुनवाई के लिए मतदाताओं को इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर के पास जाने की जरूरत नहीं है, जब तक कि ऑफ़िसर को उनकी मौजूदगी जरूरी न लगे। वी. अंबुकुमार ने कहा कि सुनवाई की प्रक्रिया की समय-सीमा से पहले, 13 अक्टूबर तक पूरी होने की उम्मीद है। पूरी होने के बाद, सात राजनीतिक पार्टियों को फाइनल वोटर लिस्ट डिजिटल फॉर्मेट में (बिना फोटो के) और फिजिकल कॉपी में (फोटो के साथ) दी जाएगी। कुमार ने बताया कि अब तक 'नो मैपिंग' और 'विसंगतियों' वाली कैटेगरी में मतदाताओं को 40 लाख से ज्यादा नोटिस भेजे जा चुके हैं। कुमार ने बताया कि मान्यता प्राप्त पार्टियों के अनुरोध पर, ऐसी मतदाताओं की लिस्ट ष्टश्वह्र की वेबसाइट पर पब्लिश की गई है, जैसा कि राजनीतिक पार्टियों ने मांगा था।

पति को छोड़ने के बदले किया यौन शोषण, दोषी की पत्नी के आरोप के बाद जेल DIG गिरफ्तार

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के कारागार और सुधार सेवा विभाग के डीआईजी सोमशेखर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सोमशेखर पर आरोप है कि बेंगलुरु सेंट्रल जेल के चीफ सुपरिंटेंडेंट रहते हुए एक कैदी को रिहा कराने के बदले उसकी पत्नी का यौन शोषण किया था।

यह पूरा मामला साल 2018 का है, जब चिकपेट थाने से जुड़े एक मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे कैदी शंकर ए. को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बेंगलुरु सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया था। बाद में जांच में खुलासा हुआ कि वह आदेश पूरी तरह फर्जी था। जांच के दौरान बात सामने आई कि जेल के एक कर्मचारी श्रीकांत एस. ने सुप्रीम कोर्ट का फर्जी आदेश तैयार किया था।

कैदी की पत्नी ने लगाया यौन शोषण का आरोप

फर्जी रिहाई की जांच के दौरान पुलिस ने जब कैदी शंकर की पत्नी से पूछताछ की, तो उसने खुलासा किया कि तत्कालीन चीफ सुपरिंटेंडेंट सोमशेखर ने उसके पति को जेल से छुड़ाने के नाम पर उसका यौन शोषण किया था। इसके बाद मामले में भ्रष्टाचार के साथ-साथ गंभीर आपराधिक आरोप भी जुड़ गए। परप्पना अग्रहारा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सोमशेखर को हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार, वह जांच में सहयोग नहीं कर रहे थे और जरूरी जानकारियां छुपा रहे थे। कोर्ट में पेशी के बाद अदालत ने उन्हें आगे की पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया है। कैदी शंकर को साल 2004 में फास्ट ट्रैक कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई थी, जिसे बाद में उच्च अदालतों ने भी बरकरार रखा था। पुलिस अब इस बात की विस्तृत जांच कर रही है कि फर्जी आदेश बनाने में और कौन-कौन शामिल था तथा अधिकारी की इसमें कितनी भूमिका रही है।

ताइवान के राष्ट्रपति के परिवार की जासूसीः अमेरिका में महिला गिरफ्तार, चीन के लिए कैसे करती थी काम

बैंकॉक, एजेंसी। एफबीआई ने कैलिफोर्निया की एक रियल एस्टेट एजेंट को गिरफ्तार किया है। उसे लॉस एंजिलिस हवाई अड्डे पर उस समय पकड़ा गया, जब वह देश छोड़ने जा रही थी। उस पर चीन के लिए ताइवान के राष्ट्रपति के परिवार की जासूसी करने का आरोप है। संघीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

झांग इरविन कौन है: एफबीआई के अनुसार, वानयिंग झांग हीदर नाम से भी जानी जाती है। उसने पिछले साल चीनी सरकार के लिए ताइवान के राष्ट्रपति के बेटे और उनके परिवार पर नजर रखी थी। 34 वर्षीय झांग इरविन में रहती है। उसे रविवार को लॉस एंजिलिस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया। उस पर चीन के लिए बिना पंजीकरण एजेंट के तौर पर काम करने का आरोप है। यह जानकारी अमेरिका के सहायक संघीय अभियोजक बिल एस्सायली ने दी। शिकायत के अनुसार, झांग ने जिन लोगों पर नजर रखी, उनकी तस्वीरें और वीडियो बनाए। उसने उनकी गाड़ियों के नंबर की जानकारी भी चीनी अधिकारियों को भेजी। एस्सायली ने फॉक्स न्यूज के कार्यक्रम 'द बिग वीकेंड शो' में बताया कि झांग अमेरिका की नागरिक है। उसने अमेरिकी नागरिकता हासिल की है। उसे चीन जाने वाली उड़ान पर रवाना होते समय गिरफ्तार किया गया। यह तुरंत साफ नहीं हो सका कि उसकी ओर से बोलने के लिए कोई वकील मौजूद है या नहीं।

अमेरिका में चीन के लिए जासूसी के मामलों पर कार्रवाई क्यों: यह मामला न्याय विभाग की ओर से की जा रही ऐसी कार्रवाइयों की नई कड़ी है। इन मामलों का मकसद अमेरिका की जमीन पर चीन के हितों को आगे बढ़ाने वाले कथित गुप्त एजेंटों का पता लगाना है।न्याय विभाग के अनुसार, इनमें से कई मामले उन लोगों से जुड़े हैं, जो अमेरिका में रह रहे लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता हैं। विभाग का कहना है कि चीन उन्हें तलाशने और परेशान करने के लिए आक्रामक तरीके अपना रहा है। उनकी आवाज को दबाने की भी कोशिश की जा रही है।न्याय विभाग का यह भी कहना है कि बीजिंग अमेरिकी जनमत को अपने पक्ष में करने के लिए राजनीतिक लोगों से संबंध बनाने की कोशिश कर रहा है।

ऐसे लोगों को चुना जाता है, जिनकी सत्ता के अहम लोगों तक पहुंच मानी जाती है। अमेरिका में चीनी दूतावास ने सोमवार को टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया।

ताइवान ने क्या कहा: ताइवान के राष्ट्रपति कार्यालय ने पुष्टि की कि राष्ट्रपति लाई चिंग-ते के रिश्तेदार निशाने पर थे। हालांकि, उसने यह नहीं बताया कि निशाना राष्ट्रपति के बेटे थे या कोई और रिश्तेदार। कार्यालय ने इसे 'सीमा पार दमन का एक स्पष्ट मामला' बताया। प्रवक्ता कैरेन कुओ ने एक बयान में कहा कि ताइवान ऐसे बर्बर कृत्यों की कड़ी निंदा करता है।

सऊदी अरब पर हूतियों ने दागी मिसाइलें, रियाद एयरपोर्ट और अरामको रिफाइनरी को बनाया निशाना

यमन, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब में कई अहम ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है। निशाने पर राजधानी रियाद का किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट और राबिघ में अरामको की रिफाइनरी भी रही। हमलों के बाद सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने हूती हमलों की कड़ी निंदा की है। हूतियों का कहना है कि ये हमले यमन पर सऊदी अरब की सैन्य कार्रवाई के जवाब में किए गए।

हूतियों का दावा- तीन बड़े सैन्य ऑपरेशन किए: हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरी ने सोमवार को टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा कि संगठन ने बड़ी संख्या में बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों तथा ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए तीन 'गुणात्मक सैन्य अभियान' चलाए। सरी के मुताबिक, पहला अभियान रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाकर किया गया। उन्होंने दावा किया कि हमला 'सटीक और सीधे' तरीके से किया गया, जिससे हवाई यातायात प्रभावित हुआ।

अरामको रिफाइनरी में आग लगने का दावा: सरी ने बताया कि दूसरे अभियान में राबिघ स्थित अरामको रिफाइनरी को निशाना बनाया गया। हूती प्रवक्ता ने दावा किया कि यह हमला भी 'सटीक और सीधे' तरीके से किया गया और इसके बाद निशाना बनाए गए परिसर में आग लग गई। हूती प्रवक्ता के अनुसार, तीसरे अभियान में पश्चिम एशिया के सऊदी क्षेत्र असिर में अबहा एयरपोर्ट, खमिस मुशैत एयरबेस और अकीफा कैंप को निशाना बनाया गया। इसके अलावा नाजरान और जिजान में 'अन्य महत्वपूर्ण ठिकानों' पर भी हमले किए गए। सरी ने कहा कि इन हमलों को यमन पर सऊदी अरब के हमलों के जवाब में अंजाम दिया गया।

सऊदी हमलों के जवाब में कार्रवाई का दावा: सरी ने कहा कि पिछले 24 घंटों में सऊदी अरब ने यमन पर 60 हवाई और मिसाइल हमले किए।

लखनऊ में बाढ़ के पानी में पैदल चल रहे 6 युवक सैलाब में डूबे, पांच को बचाया गया ,एक की तलाश जारी

लखनऊ, एजेंसी। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लासा गांव में मंगलवार की सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। सुबह के समय नाव की सुविधा न होने के कारण करीब 6 युवक पैदल ही रास्ता पार कर रहे थे। इसी दौरान वे गहरे पानी की चपेट में आकर सैलाब में डूबने लगे। पानी में बहते लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए एक-दूसरे का हाथ पकड़कर 5 को तो सुरक्षित बचा लिया, लेकिन 18 वर्षीय विमल तेज बहाव में बह गया और अभी तक लापता है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई और पीड़ित परिवारों में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और एनडीआरएफ की टीम बोट की मदद से जलभराव वाले इलाके में लापता युवक की तलाश में जुटी हुई है।

बाब अल-मंदेब पर हूती विद्रोहियों को बड़ा झटकाः सऊदी गठबंधन ने छीने कई अहम इलाके; क्या अमेरिका भी साथ आया

रियाद, एजेंसी। यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ रहे सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन की सेनाओं ने बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के आसपास कई अहम इलाकों पर फिर कब्जा कर लिया है। यमनी अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।अधिकारियों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार के साथ गठबंधन वाली सेनाओं ने जलडमरूमध्य के ठीक उत्तर में स्थित शहर धुबाब को फिर से अपने नियंत्रण में ले लिया है। उन्होंने बाब और हदीद शहरों पर भी कब्जा कर लिया है। इन अधिकारियों ने नाम नहीं बताने की शर्त पर यह जानकारी दी।उन्होंने कहा कि उन्हें पत्रकारों से बात करने की आधिकारिक अनुमति नहीं थी। चश्मदीदों ने बताया कि उन्होंने टैंकों और सैनिकों को इन शहरों में प्रवेश करते देखा। सऊदी नेतृत्व वाला गठबंधन हवाई हमलों से सरकारी बलों को समर्थन दे रहा है। इस सैन्य अभियान में 100 लड़ाकू विमान शामिल हैं।

हूती विद्रोहियों ने इससे पहले क्या दावा किया था: यह सैन्य अभियान ऐसे समय शुरू हुआ, जब हूतियों ने कहा था कि उन्होंने यमन के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में और ज्यादा इलाकों पर कब्जा कर लिया है। हूती विद्रोहियों ने इस क्षेत्र के एक महत्वपूर्ण शहर पर भी कब्जा करने का दावा किया था। यह सऊदी समर्थित बलों के लिए बड़ा झटका था। हूती इस इलाके की एक रणनीतिक प्रांतीय राजधानी की ओर आगे बढ़ रहे थे।

बाब अल-मंदेब को लेकर क्या कहा गया: सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने कहा कि 100 लड़ाकू विमान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार की हूतियों के खिलाफ लड़ रही सेनाओं को हवाई मदद दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन ने रणनीतिक बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य को हवाई सुरक्षा दी है। उन्होंने यह भी कहा कि जारी सैन्य अभियान के तहत हूतियों के सैकड़ों ठिकानों को नष्ट किया गया है।

अमेरिका ने कार्रवाई पर क्या कहा: अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पत्रकारों से कहा कि उम्मीद थी कि यमन में सऊदी समर्थित सरकार विद्रोहियों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेगी। इसका मकसद उसके कब्जे वाले इलाकों को वापस लेना है। जब रुबियो से पूछा गया कि क्या सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने यह कार्रवाई अमेरिका के साथ मिलकर की है, तो उन्होंने कहा कि सऊदी अरब और अमेरिका के बीच रक्षा समझौता है। हालांकि, उन्होंने इसके बारे में ज्यादा जानकारी देने से इनकार किया।रुबियो ने कहा कि हूती विद्रोहियों के अभियान के कारण यमनी सरकार ने अपने कुछ इलाकों पर नियंत्रण खोया है। सऊदी अरब पर भी हमले हुए हैं। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब को अपनी रक्षा करने का अधिकार है।क्षेत्रीय अधिकारी और एक अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, अमेरिका ने हूतियों के खिलाफ सऊदी अरब के जारी अभियान में मदद की है। दोनों अधिकारियों ने नाम न बताने की शर्त पर यह जानकारी दी। उन्हें पत्रकारों से बात करने की अनुमति नहीं थी।अधिकारियों के अनुसार, अमेरिकी मदद में खुफिया जानकारी साझा करना, निशाने की पहचान करना और सैन्य अभियान की योजना बनाने में सहायता देना शामिल था। यमन युद्ध के शुरुआती दौर में अमेरिका ने हूतियों के खिलाफ लड़ रहे सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन का समर्थन किया था। हालांकि, बाद के वर्षों में अमेरिका इस गठबंधन से अलग हो गया था।

सऊदी राजधानी रियाद में स्थित अमेरिकी दूतावास ने सोशल मीडिया पर अमेरिकी नागरिकों को सतर्क रहने की चेतावनी दी। दूतावास ने संभावित ड्रोन या मिसाइल हमलों को लेकर सावधान रहने को कहा।अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त यमन सरकार के सूचना मंत्री मोअम्मर अल-एरयानी ने बताया कि सऊदी हवाई समर्थन के साथ बलों ने तट के पास तेजी से आगे बढ़कर दुबाब क्षेत्र में अहम ठिकानों पर कब्जा किया। दुबाब हवाई पट्टी भी कब्जे में ले ली गई और इलाके में बचे हूती विद्रोहियों का संपर्क काट दिया गया। गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने कहा, बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य की हवाई सुरक्षा की जा रही है। इस अभियान में सैकड़ों हूती ठिकाने नष्ट हुए हैं। सरकारी सूत्र ने बताया कि जलडमरूमध्य के पास सैन्य अड्डे पर लड़ाई जारी है। वहीं, हूती समूह ने सरकारी बलों की बढ़त के दावे को पूरी तरह गलत बताया है। यह कार्रवाई हूतियों के रविवार को तुरबह शहर पर कब्जे के बाद हुई।

सऊदी में सेना की तैनाती पर मक्का गठबंधन में सहमतिः मक्का रक्षा समझौता से जुड़े देशों ने सऊदी अरब और उसके पवित्र स्थलों पर हमलों का त्वरित जवाब देने का फैसला किया है। इस गठबंधन के सदस्य देशों पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये की सोमवार को हुई बैठक में सऊदी अरब में सैन्य बलों की त्वरित तैनाती पर सहमति जताई गई। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी संयुक्त बयान के अनुसार, यह फैसला तीनों देशों के बीच हाल ही में हुए सुरक्षा सहयोग समझौते के तहत लिया गया है।

जनसुनवाई में 240 आवेदकों की समस्याएं सुनीं, कलेक्टर ने दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

हितग्राहीमूलक योजनाओं के प्रकरणों को प्राथमिकता से निपटाने पर जोर, कार्रवाई की जानकारी आवेदकों को देने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला पंचायत सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर विकास मिश्रा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 240 आवेदकों की समस्याएं जनसुनवाई में लोगों ने अपनी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवेदनों पर समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए समस्याओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कलेक्टर विकास मिश्रा ने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लिया जाए और प्रकरणों के निराकरण में अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने विशेष रूप से हितग्राहीमूलक योजनाओं से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने के निर्देश दिए साथ ही आवेदकों को उनके आवेदन पर की गई कार्रवाई की जानकारी उपलब्ध कराने को कहा उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि किसी प्रकरण का निराकरण संभव नहीं है या किसी कारण से आवेदन निरस्त किया जाता है तो इसकी वजह आवेदक को स्पष्ट रूप से बताई जाए। कलेक्टर ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य केवल आवेदन प्राप्त करना नही, बल्कि लोगों की समस्याओं का उचित समाधान सुनिश्चित करना है। इसलिए अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण की वस्तुस्थिति समझकर नियमानुसार कार्रवाई करनी होगी।

जनसुनवाई में मिलीं जरूरी सेवाएं: जनसुनवाई के दौरान नागरिकों को विभिन्न आवश्यक सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं स्वास्थ्य विभाग की ओर से लोगों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और चिकित्सकों द्वारा आवश्यक परामर्श दिया गया इसके अलावा नागरिकों के लिए आधार अपडेट की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। इन सुविधाओं के चलते नागरिकों को स्वास्थ्य जांच और आधार संबंधी कार्यों के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ी जनसुनवाई स्थल पर ही संबंधित सेवाएं उपलब्ध होने से लोगों को राहत मिली।

सीईओ ने भी सुनीं समस्याएं: जनसुनवाई के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सौम्या आनंद ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनीं उन्होंने संबंधित अधिकारियों से विभिन्न प्रकरणों में अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी ली तथा लंबित मामलों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्राप्त आवेदनों की विभागवार समीक्षा करते हुए निर्धारित समयसीमा में कार्रवाई सुनिश्चित करें। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर स्वर्णा दीवान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग से संबंधित आवेदनों को दर्ज कर उनके निराकरण की प्रक्रिया शुरू की प्रशासन द्वारा जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों की प्रभावी मॉनिटरिंग करने और नागरिकों को कार्रवाई से अवगत कराने पर भी जोर दिया गया।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने 31 अक्टूबर तक विशेष अभियान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मतदाता सूची को अद्यतन और शुद्ध रखने के लिए जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है यह अभियान 31 अक्टूबर 2026 तक चलेगा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विकास मिश्रा ने जिले के पात्र नागरिकों से अभियान में सहभागिता कर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की अपील की है अभियान के तहत जिले के सभी मतदान केंद्रों पर 7, 8 और 9 अक्टूबर को विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे पात्र नागरिक इन शिविरों में पहुंचकर संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के पास आवेदन जमा कर सकेंगे विशेष रूप से पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं से शिविर का लाभ लेने की अपील की गई है। कलेक्टर ने बताया कि ऐसे युवा, जिनकी आयु 1 जनवरी 2027 की स्थिति में 18 वर्ष पूर्ण हो रही है मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भरकर संबंधित बीएलओ के पास जमा कर सकते हैं इसके अलावा 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके ऐसे नागरिक, जिनका नाम किसी कारणवश मतदाता सूची में दर्ज नहीं है वे भी फॉर्म-6 के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। एसआईआर गतिविधि के दौरान एएसडीआर सूची में नाम होने के कारण जिन व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची से विलोपित हुए हैं वे भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत नाम पुन: दर्ज कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि फॉर्म-6 के साथ किसी प्रकार का घोषणा-पत्र भरने की आवश्यकता नहीं है।

सेवा मेरा योगदान के तहत सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने किया सेवा कार्य,जरूरतमंद विद्यार्थियों को बांटी पुस्तकें

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के अंतर्गत सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने मंगलवार को सीधी जिले में विभिन्न सेवा गतिविधियों में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने जरूरतमंद विद्यार्थियों को पुस्तकें वितरित कीं और स्वास्थ्य शिविर में शामिल होकर क्षेत्रवासियों से संवाद कार्यक्रम में शिक्षा एवं स्वास्थ्य से संबंधित जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम खंधोटोला स्थित विद्यालय से हुई। यहां सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को पुस्तकें वितरित कीं पुस्तकें मिलने पर विद्यार्थियों ने प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य प्रदीप शुक्ला सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित रहे सांसद ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई और शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि शिक्षा बच्चों के बेहतर भविष्य की आधारशिला है को पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है।

स्वास्थ्य शिविर में किया नेत्र परीक्षण: कार्यक्रम के अगले चरण में ग्राम चरकी में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा शामिल हुए उन्होंने शिविर में पहुंचे क्षेत्रवासियों से संवाद किया और उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली शिविर में चिकित्सकों द्वारा नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया विशेष रूप से नेत्र परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई गई। नेत्र परीक्षण के बाद जरूरतमंद हितग्राहियों को चश्मों का वितरण किया गया चश्मे मिलने से लाभान्वित लोगों को दैनिक कार्यों में सुविधा मिलने की उम्मीद है सांसद ने स्वास्थ्य शिविर में मौजूद चिकित्सकों और स्वास्थ्य विभाग की टीम से शिविर में पहुंच रहे नागरिकों तथा उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी भी ली इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य प्रदीप शुक्ला, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक खरे, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

चरकी स्कूल में भी बांटी पुस्तकें: सेवा गतिविधियों के क्रम में सांसद ने ग्राम चरकी स्थित विद्यालय का भी भ्रमण किया यहां उन्होंने जरूरतमंद विद्यार्थियों को पुस्तकें वितरित कीं विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए उनकी शैक्षणिक जरूरतों की जानकारी ली गई जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रीय नागरिकों की मौजूदगी में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया गया।

राजा बुंदेला ने रंग उत्सव के कलाकारों से किया संवाद, विद्यार्थियों को दिए अभिनय के गुर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। खजुराहो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के संस्थापक एवं अभिनेता राजा बुंदेला ने रंग उत्सव नाट्य समिति, रीवा के कलाकारों और विद्यार्थियों के साथ विशेष संवाद किया इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों की अभिनय कक्षा ली और रंगमंच तथा सिनेमा से जुड़े अपने अनुभव साझा किए कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अभिनय के क्षेत्र में आगे बढ़ने को लेकर कई सवाल भी किए राजा बुंदेला ने विद्यार्थियों को खजुराहो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल की स्थापना और अब तक की यात्रा के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी बड़े आयोजन की शुरुआत एक विचार से होती है लेकिन उसे मुकाम तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास, समर्पण और चुनौतियों का सामना करने का साहस जरूरी है। उन्होंने फेस्टिवल की स्थापना के दौरान सामने आई कठिनाइयों और लगातार प्रयासों के जरिए आयोजन को अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने की यात्रा के अनुभव साझा किए। संवाद के दौरान विद्यार्थियों ने अभिनय, रंगमंच और सिनेमा से संबंधित अपने सवाल रखे राजा बुंदेला ने उनके सवालों का जवाब देते हुए कहा कि कलाकार के लिए सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती मंच और सिनेमा दोनों ही कलाकार को लगातार सीखने और खुद को बेहतर बनाने का अवसर देते हैं उन्होंने विद्यार्थियों को अभिनय के साथ-साथ अनुशासन, निरंतर अभ्यास और नए अनुभवों से सीखने पर जोर दिया। यह मुलाकात रंग उत्सव के छात्र-कलाकारों के लिए खास रही। उन्हें एक अनुभवी अभिनेता से सीधे संवाद करने और उनके अनुभवों से सीखने का अवसर मिला कार्यक्रम में अंकित मिश्रा, शुभम पांडेय, गौरव सिंह और संस्था के संरक्षक विभु सूरी सहित रंग उत्सव नाट्य समिति के छात्र-कलाकार मौजूद रहे इस अवसर पर रंगमंच और सिनेमा के बीच संवाद को नई पीढ़ी के कलाकारों के लिए उपयोगी बताया गया।

सीसीए रीवा ने पवन वॉरियर्स को 104 रन से हराया, 92 रन की पारी खेलने वाले स्वभाव सोनी बने मैन ऑफ द मैच

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अवधेश प्रताप सिंह स्टेडियम में स्वर्गीय कुंवर अर्जुन सिंह स्मृति विंध्य क्रिकेट टी-20 प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ लेदर बॉल से व्यावसायिक स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में विंध्य सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभावान क्रिकेट खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं प्रतियोगिता का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को बेहतर मंच उपलब्ध कराकर उन्हें व्यावसायिक क्रिकेट की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर देना है आईपीएल की तर्ज पर खिलाड़ियों की नीलामी प्रक्रिया के बाद प्रतियोगिता में कुल 10 टीमों का गठन किया गया है विजेता टीम को एक लाख रुपए और उपविजेता को 51 हजार रुपए नकद पुरस्कार के साथ ट्रॉफी एवं स्मृति चिह्न दिए जाएंगे प्रतियोगिता का फाइनल 23 अक्टूबर को होगा। उद्घाटन मुकाबला सीसीए रीवा और पवन वॉरियर्स के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सीसीए रीवा ने निर्धारित 20 ओवर में 210 रन बनाए। टीम की ओर से स्वभाव सोनी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 92 रन की पारी खेली उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया लक्ष्य का पीछा करने उतरी पवन वॉरियर्स की टीम सीसीए रीवा के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 106 रन पर ऑलआउट हो गई सीसीए रीवा ने 104 रन से मुकाबला जीतकर प्रतियोगिता में शानदार शुरुआत की प्रतियोगिता का उद्घाटन रीवा के महापौर अजय मिश्रा बाबा ने किया।

नशामुक्ति-गोवंश सुरक्षा और कोयला वाहनों पर रोक की मांग, 100 से अधिक कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट घेरा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। नशे के अवैध कारोबार पर रोक, गोवंश के अवैध परिवहन और तस्करी पर कार्रवाई तथा कोयला परिवहन करने वाले भारी वाहनों से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने की मांग को लेकर मंगलवार को भगवती मानव कल्याण संगठन के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट गेट नंबर-1 पर प्रदर्शन किया। संगठन के अनुसार प्रदर्शन में 100 से अधिक पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए जिला प्रशासन के नाम ज्ञापन सौंपा और तीनों मुद्दों पर जल्द कार्रवाई की मांग की।

अवैध नशे के कारोबार पर कार्रवाई की मांग: संगठन की महिला प्रभारी प्रेमलता ने जिले में अवैध शराब, गांजा सहित अन्य मादक पदार्थों की बिक्री और परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की उन्होंने कहा कि लाइसेंसी दुकानों के अलावा अन्य स्थानों पर अवैध रूप से नशीले पदार्थों की बिक्री की शिकायतों की जांच कर कार्रवाई की जानी चाहिए बार-बार नियमों का उल्लंघन करने वाली दुकानों के लाइसेंस निरस्त करने तथा अवैध नशे के कारोबार पर कार्रवाई में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही।

गोवंश के अवैध परिवहन पर रोक: पदाधिकारी रणधीर सिंह ने गोवंश के अवैध परिवहन और गो-तस्करी पर सख्ती से रोक लगाने की मांग रखी उन्होंने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के साथ बेसहारा गोवंश के संरक्षण की पर्याप्त व्यवस्था और गौशालाओं की नियमित निगरानी की मांग की संगठन का कहना है कि गोवंश संरक्षण के लिए प्रशासन को प्रभावी स्तर पर निगरानी बढ़ानी चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने कोयला परिवहन करने वाले भारी वाहनों से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं का मुद्दा भी उठाया संगठन ने औद्योगिक परियोजनाओं के लिए कोयला ले जाने वाले वाहनों के लिए सामान्य यातायात से अलग फोरलेन मार्ग बनाने की मांग की साथ ही अलग मार्ग बनने तक कोयला वाहनों के लिए निर्धारित रूट और समय तय करने, ओवरलोडिंग पर रोक लगाने तथा यातायात नियमों की निगरानी बढ़ाने की मांग की गई जिला प्रभारी प्रेम सागर गुप्ता ने कहा कि संगठन जनहित और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार आवाज उठाता रहेगा।

सीधी में विश्वविद्यालय स्थापना की मांग को लेकर 9 अक्टूबर को निकलेगी तिरंगा यात्रा

जीडीसी, संजय गांधी कॉलेज समेत विभिन्न स्कूल-कॉलेजों के छात्र-छात्राएं होंगे शामिल, छह साल से चल रहा आंदोलन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में विश्वविद्यालय स्थापना की मांग को लेकर छात्र-छात्राओं का आंदोलन लगातार जारी है। पिछले करीब छह वर्षों से सीधी में विश्वविद्यालय स्थापित किए जाने की मांग को लेकर विभिन्न स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं इसी क्रम में अब छात्र-छात्राओं द्वारा 9 अक्टूबर 2026 को सीधी शहर में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी यात्रा के माध्यम से जिले में विश्वविद्यालय स्थापना की मांग को एक बार फिर प्रमुखता से उठाया जाएगा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जीडीसी कॉलेज की एमएससी छात्रा ज्योति ने बताया कि विश्वविद्यालय स्थापना की मांग सीधी जिले के विद्यार्थियों के लिए लंबे समय से महत्वपूर्ण मुद्दा बनी हुई है जिले के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए अन्य शहरों और जिलों की ओर जाना पड़ता है ऐसे में सीधी में विश्वविद्यालय की स्थापना होने से विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकेंगे उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय स्थापना की मांग को लेकर 9 अक्टूबर को शहर में तिरंगा यात्रा आयोजित की जा रही है इसमें जीडीसी सीधी, संजय गांधी कॉलेज सीधी सहित अन्य स्कूल-कॉलेजों के छात्र-छात्राओं के शामिल होने की संभावना है तिरंगा यात्रा के माध्यम से विद्यार्थी एकजुट होकर अपनी मांग शासन और प्रशासन तक पहुंचाएंगे।

छात्र नेताओं ने की अधिक से अधिक सहभागिता की अपील: संजय गांधी कॉलेज के परास्नातक छात्र विनोद सिंह एवं शोध छात्र इन्द्रलाल पटेल ने जिले के छात्र-छात्राओं से तिरंगा यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की स्थापना केवल विद्यार्थियों के लिए ही नहीं बल्कि जिले के शैक्षणिक और सामाजिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है छात्रों का कहना है कि सीधी में विश्वविद्यालय स्थापित होने से जिले में उच्च शिक्षा का विस्तार होगा और विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर, शोध तथा अन्य उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों के लिए बाहर जाने की आवश्यकता कम साथ ही स्थानीय स्तर पर शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। छात्र प्रतिनिधियों ने कहा कि पिछले कई वर्षों से विश्वविद्यालय स्थापना की मांग को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं तिरंगा यात्रा इसी अभियान का हिस्सा है उन्होंने जिले के सभी महाविद्यालयों एवं स्कूलों के विद्यार्थियों, युवाओं और शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों से यात्रा में सहभागिता करने की अपील की है।

छह साल से उठ रही विश्वविद्यालय की मांग: सीधी जिले में विश्वविद्यालय स्थापना की मांग को लेकर विद्यार्थियों द्वारा करीब छह वर्षों से लगातार प्रयास किए जाने की बात कही गई है छात्र प्रतिनिधियों का कहना है कि लंबे समय से मांग उठाए जाने के बावजूद अभी तक इस दिशा में ठोस पहल नहीं हुई है अब तिरंगा यात्रा के जरिए विद्यार्थी शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज बुलंद करेंगे और सरकार का ध्यान सीधी में विश्वविद्यालय स्थापना की ओर आकर्षित करेंगे।

बेटे की हत्या के आरोपी पिता का रेलवे ट्रैक पर मिला शव

शहडोल। ब्यौहारी थाना क्षेत्र के ग्राम कोठिया में बेटे की हत्या के आरोपी पिता नंदकुमार सिंह गोंड (55) का शव मंगलवार सुबह रेलवे ट्रैक पर मिला। पुलिस के अनुसार, 2 अक्टूबर को बेटे सिंघरराज सिंह गोंड की हत्या के बाद से नंदकुमार फरार था पुलिस उसकी तलाश कर रही थी मंगलवार को हत्या वाली जगह से करीब तीन किलोमीटर दूर रेलवे ट्रैक पर उसका शव मिला। पुलिस के मुताबिक, 2 अक्टूबर को नंदकुमार का बेटे सिंघरराज से किसी मामूली बात को लेकर विवाद हुआ था विवाद बढ़ने पर नंदकुमार ने कुल्हाड़ी से बेटे पर हमला कर दिया गंभीर चोट लगने से सिंघरराज की मौके पर ही मौत हो गई घटना के बाद आरोपी पिता जंगल की ओर फरार हो गया पुलिस ने मामले में जांच शुरू करते हुए उसकी तलाश के लिए अलग-अलग टीमें लगाई थीं थाना प्रभारी अभिलाष मिश्रा के अनुसार, पुलिस टीमों ने ग्रामीणों की मदद से जंगल में नंदकुमार की तलाश की। घना जंगल होने के कारण रात करीब 2 बजे तक तलाश अभियान चलाया गया, लेकिन उसका पता नहीं चल सका इस दौरान जंगल में छिपे नंदकुमार ने अपने भांजे से फोन पर बात की थी और घटना को लेकर अफसोस जताया था मंगलवार सुबह पुलिस को रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति के ट्रेन की चपेट में आने की सूचना मिली। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों व रेलवे कर्मचारियों की मदद से शव की पहचान कराई मृतक की पहचान नंदकुमार सिंह गोंड के रूप में हुई पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है प्रारंभिक जानकारी में ट्रेन की चपेट में आने से मौत की बात सामने आई है घटनास्थल के पास हत्या में इस्तेमाल की गई टांगी मिलने की भी जानकारी पुलिस को मिली है।

तीर्थयात्रा हो, कचरा यात्रा नहीं

संपादकीय

अपनी सुख-सुविधाओं को प्राथमिकता देते हैं और इस इलाके के नैसर्गिक परिवेश से खिलवाड़ करते हैं। मिली सूचनाओं के अनुसार इस साल सितंबर के मध्य तक, चारधाम यात्रा के दौरान तीर्थयात्री 800 टन से अधिक का कचरा वहां फेंक आए हैं। वहीं यदि हेमकुंट साहिब और वैली ऑफ फ्लॉवर्स का कचरा भी इसमें शामिल कर लें तो मात्रा और अधिक हो जाती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि हिमालय पर्वत शृंखलाओं में तीन हजार मीटर से ज्यादा ऊंचाई पर प्लास्टिक की बोतलें, रैपर और डिस्पोजेबल चीजें पायी गई हैं। निस्संदेह, इससे यही संकेत मिलता है कि यात्री इन धार्मिक स्थलों के आसपास ऐसा व्यवहार कर रहे हैं जैसे यह उनकी मौज-मस्ती की जगह हो। यह जानते हुए कि इन दुर्गम इलाकों में शहरों की तरह कचरे निपटान की पर्याप्त व्यवस्था और क्षमता नहीं है। सही मायने में यदि तीर्थयात्री किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर निकलें तो तीर्थयात्रा पर आध्यात्मिक छाप पड़नी चाहिए, न कि प्लास्टिक के कचरे की। यही वजह है कि संवेदनशील हिमालयी क्षेत्रों में धार्मिक पर्यटन का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रसिद्ध तीर्थ स्थल केदारनाथ धाम के हालिया आंकड़ों को चेतावनी की तरह लिया जाना चाहिए। बताते हैं कि अप्रैल से अगस्त के बीच इस तीर्थ स्थल पर तीर्थयात्रियों द्वारा छोड़ा गया 50.30 टन कचरा जमा हुआ। यह कचरा वर्ष 2023 से 2025 के बीच किसी भी पूरे साल में जमा हुए कचरे से कहीं ज्यादा पाया गया है। जो हिमालयी पारिस्थितिकीय संतुलन की दृष्टि से बेहद चिंता का विषय है। लेकिन तमाम तीर्थ यात्रियों के इस अराजक व्यवहार के विपरीत 'कैरी मी बैक' अभियान की पहल एक नई उम्मीद भी जगाती है।

उल्लेखनीय है कि कैरी मी बैक मुहिम के तरत लगभग पांच हजार तीर्थयात्री इस इलाके में करीब 18 किलोमीटर के रास्ते में 12 टन से अधिक कंप्रेस्ड प्लास्टिक वापस नीचे लेकर आए हैं। निस्संदेह, यह पहल काबिले तारीफ व प्रेरणादायी है। ऐसी मुहिम तीर्थयात्रियों को पर्यावरण संरक्षण की पहल में भागीदार बनाती है। इसके बावजूद ये प्रयास एक जिम्मेदार पर्यटन नीति की जगह नहीं ले सकते। ऐसे में बड़ा प्रश्न यह है कि पहाड़ों तक इतना कचरा क्यों और कैसे पहुंचता है। ऐसा भी नहीं है कि यह समस्या केवल केदारनाथ तक ही सीमित हो। लेकिन इसके बावजूद कुछ सकारात्मक उदाहरण नई उम्मीद भी जगाते हैं। इस साल अमरनाथ यात्रा के दौरान, दोबारा इस्तेमाल होने वाले बर्तनों और पानी भरने की सुविधाओं में विस्तार की वजह से अच्छे परिणाम सामने आए हैं। इस यात्रा के दौरान यात्रियों की संख्या में 17 फीसदी की बढ़ोतरी के बावजूद प्रति यात्री द्वारा छोड़े जाने वाले कचरे में 15 फीसदी की कमी आई है। निश्चित रूप से ऐसे सकारात्मक प्रयास आम बात हो जानी चाहिए। तीर्थ यात्रा के प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों को सिर्फ तीर्थयात्रियों को अपील करने के बजाय उनकी जवाबदेही तय करने की दिशा में कदम उठाने चाहिए।

अपनी शांति अपने भीत : शांति का मार्ग बाहर नहीं भीतर से होकर जाता है

कांतिलाल मांडोत

मनुष्य संसार में सबसे अधिक जिस चीज की तलाश करता है, वह है शांति। प्रत्येक व्यक्ति चाहता है कि उसका जीवन सुखी, संतुष्ट और तनावमुक्त हो, लेकिन उसकी सबसे बड़ी विडंबना यह है कि वह शांति को अपने भीतर खोजने के बजाय बाहर की दुनिया में तलाशता रहता है। धन, संपत्ति, पद, प्रतिष्ठा, सुविधाएं और भौतिक साधनों को वह सुख का आधार मान लेता है। इनकी प्राप्ति के लिए वह निरंतर भागता रहता है और इसी बाहरी दौड़ में उसका मन और अधिक अशांत होता चला जाता है। उसकी स्थिति उस कस्तूरी मृग जैसी हो जाती है जो सुगंध का स्रोत अपने भीतर होने के बावजूद उसे जंगल-जंगल खोजता फिरता है।

वास्तव में शांति का संबंध बाहरी परिस्थितियों से कम और मन की अवस्था से अधिक है। मनुष्य सुख और शांति को एक ही मान बैठता है, जबकि दोनों में अंतर है। सुख किसी वस्तु, उपलब्धि या इच्छा की पूर्ति से मिलने वाला क्षणिक अनुभव हो सकता है, जबकि शांति भीतर की स्थिरता है। इच्छा पूरी होते ही कुछ समय के लिए प्रसन्नता मिलती है, लेकिन फिर नई इच्छा जन्म ले लेती है। मनुष्य कहता रहता है कि अभी यह मिल जाए, फिर वह मिल जाए। यही 'और चाहिए' की वृत्ति उसे जीवनभर दौड़ाती रहती है।

कामनाओं के पीछे चलने वाला व्यक्ति पदार्थों को जोड़ता रहता है। उसे लगता है कि अधिक धन, अधिक संपत्ति और अधिक सुविधाएं मिलने से जीवन अधिक सुखी हो जाएगा। लेकिन इच्छाओं की कोई अंतिम सीमा नहीं होती। एक इच्छा पूरी होते ही दूसरी सामने आ जाती है। इस प्रकार संग्रह बढ़ता जाता है और उसके साथ चिंता, भय, प्रतिस्पर्धा और असंतोष भी बढ़ते जाते हैं। इसके विपरीत शांति का मार्ग त्याग, संतोष और अपरिग्रह से होकर गुजरता है। जहां संग्रह व्यक्ति को बांधता है, वहीं त्याग उसे भीतर से हल्का करता है।

एक सुंदर दृष्टांत में कहा गया है कि एक कुत्ता हड्डी का टुकड़ा लेकर भाग रहा था। दूसरे कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। वह हड्डी छोड़ने को तैयार नहीं था, इसलिए चोट खाता रहा। अंततः जब हड्डी छूट गई तो उसका संकट भी समाप्त हो गया। यही जीवन का सत्य है। जब तक मनुष्य वस्तुओं, इच्छाओं और अहंकार को कसकर पकड़े रहता है, तब तक संघर्ष चलता रहता है। छोड़ने की कला आते ही मन हल्का होने लगता है।

शांति पाने के लिए मनुष्य को सबसे पहले अपने भीतर झांकना होगा। अपने शरीर, श्वास, मन और आत्मा के प्रति सजग होना होगा। आत्म-जिज्ञासा ही उसे अपने वास्तविक स्वरूप तक ले जा सकती है। विज्ञान और भौतिक ज्ञान ने मनुष्य को संसार के अनेक रहस्यों से परिचित कराया है, लेकिन स्वयं को जानना अभी भी सबसे बड़ी चुनौती है। जिसने अपने भीतर के चैतन्य को पहचान लिया, उसके लिए बाहरी परिस्थितियों का प्रभाव बहुत कम हो जाता है।

हमारी अशांति का एक बड़ा कारण हमारी धारणाएं भी हैं। हम कई बार वास्तविकता को देखने के बजाय अपनी बनाई हुई धारणा के माध्यम से देखते हैं। ट्रेन की खिड़की के प्रसंग में दो यात्रियों का झगड़ा इसी बात को स्पष्ट करता है। एक खिड़की खोलना चाहता था और दूसरा बंद करना। दोनों अपनी-अपनी सुविधा और धारणा को सही मानकर लड़ते रहे। जब पता चला कि खिड़की में कांच ही नहीं था, तब उनकी लड़ाई का आधार ही समाप्त हो गया। जीवन में भी कई विवाद ऐसे ही होते हैं। हम तथ्य जाने बिना अपनी धारणाओं को सत्य मान लेते हैं और फिर उन्हीं के कारण अशांत रहते हैं।

सत्य और तथ्य को जाने बिना किया गया निर्णय कई बार गंभीर परिणाम पैदा कर सकता है। किसान और उसकी बिल्ली की कथा इसका मार्मिक उदाहरण है। गलत धारणा के आधार पर किसान ने बिल्ली को दोषी मान लिया और क्रोध में उसे मार दिया। बाद में सत्य सामने आया तो पछतावे और कलह ने पूरे परिवार को संकट में डाल दिया। यह प्रसंग बताता है कि जल्दबाजी, क्रोध और अधूरी जानकारी केवल समस्या को बढ़ाती है। संयमपूर्वक तथ्य को समझना ही शांति की पहली सीढ़ी है।

शांति केवल अपने लिए शांत रहने का नाम नहीं है। दूसरों के प्रति करुणा, संवेदनशीलता और सद्भाव भी शांति का आधार हैं। जो व्यक्ति हर समय दूसरों के दोष खोजता रहता है, वह स्वयं कभी शांत नहीं हो सकता। उसकी दृष्टि हमेशा बाहर रहती है और उसका मन दूसरों के जीवन की जांच-पड़ताल में उलझा रहता है। उसे यह देखने का अवसर ही नहीं मिलता कि उसके भीतर कौन-सी कमियां हैं।

सीसैट: संसद से उठी व्यवस्था बदलने की मांग

शुरुआती वर्षों में अभ्यर्थियों ने इस अर्हकारी प्रश्नपत्र को आसानी से पार कर लिया, लेकिन वर्ष 2021 से आयोग ने इसके प्रश्नों की जटिलता और विषयवार भारांक में भारी बदलाव करना शुरू कर दिया। वर्ष 2023 और 2024 के प्रश्नपत्रों ने यह साबित कर दिया कि यह परीक्षा अब दसवीं कक्षा के अपने निर्धारित स्तर से बहुत आगे निकल चुकी है। इस नई व्यवस्था के लागू होने के कुछ ही वर्षों में इसके दूरगामी परिणाम दिखने लगे। इंजीनियरिंग, प्रबंधन और विज्ञान के छात्रों ने गणित, तार्किक क्षमता और अंग्रेजी बोधगम्यता वाले हिस्सों में बहुत अधिक अंक हासिल किए। इसके उलट, मानविकी और भारतीय भाषाओं के अभ्यर्थियों की सफलता दर तेजी से गिरी। अरुण निगवेकर समिति (2011) ने भी माना कि यह प्रारूप शहरी और अंग्रेजी माध्यम के अभ्यर्थियों के पक्ष में झुका हुआ है।

अभिषेक शुक्ल

पहली अक्टूबर 2026 को संघ लोक सेवा आयोग ने अपनी स्थापना के 100 गौरवशाली वर्ष पूरे कर लिए हैं। एक सदी से भारतीय प्रशासन का 'लौह ढांचा' तैयार करने वाला यह संस्थान आज अपनी ही मूल्यांकन पद्धति विशेषकर प्रारंभिक परीक्षा (सीसैट) के कारण गहरे सवालों के घेरे में है। इसी परिप्रेक्ष्य में, बृजलाल की अध्यक्षता वाली संसदीय स्थायी समिति ने अपनी 160वीं रिपोर्ट में सीसैट के वर्तमान स्वरूप पर गहरी चिंता जताई है। समिति के अनुसार, सीसैट का कठिन गणितीय स्तर मानविकी, हिंदी माध्यम और ग्रामीण छात्रों के लिए एक अनुचित बाधा बन गया है। आंकड़े बताते हैं कि वर्तमान में चयनित 65-70% अभ्यर्थी तकनीकी (इंजीनियरिंग/मेडिकल) पृष्ठभूमि से हैं। संघ लोक सेवा आयोग के 100वें वर्ष में पनपा यह रुझान प्रशासन में सामाजिक और वैचारिक विविधता के लिए एक बड़ा संकट है।

मार्च 2026 में, राज्यसभा सदस्य और पूर्व पुलिस अधिकारी बृजलाल के नेतृत्व वाली कार्मिक, लोक शिकायत, विधि और न्याय संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने अपनी 160 वीं रिपोर्ट में अभिवृत्ति परीक्षा (सीसैट) के वर्तमान ढांचे पर गहरी चिंता जताई है। समिति का स्पष्ट मत है कि परीक्षा का उच्च गणितीय और विश्लेषणात्मक स्तर मानविकी, गैर-इंजीनियरिंग, हिंदी माध्यम और ग्रामीण क्षेत्रों के अभ्यर्थियों के लिए एक अनुचित और पार न करने योग्य बाधा बन गया है। सांख्यिकीय आंकड़ों पर गौर करें तो, वर्तमान में सिविल सेवाओं में चयनित होने वाले लगभग 65 - 70 प्रतिशत अभ्यर्थी इंजीनियरिंग और चिकित्सा जैसी तकनीकी पृष्ठभूमि से संबंध रखते हैं। यह रुझान प्रशासन में वैचारिक विविधता और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व के समक्ष एक बड़ा संकट खड़ा कर रहा है। यह रिपोर्ट इस परीक्षा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, इसके क्रमिक विकास, कानूनी विवादों, कट-ऑफ पर इसके सांख्यिकीय असर और संसदीय समिति के सुझावों की गहन समीक्षा करती है।

भारतीय सिविल सेवा परीक्षा का ढांचा समय-समय पर विशेषज्ञ समितियों के सुझावों के आधार पर बदलता रहा है। इसका मूल ध्येय प्रशासन की नई चुनौतियों के अनुसार अधिक दक्ष अधिकारियों का चयन करना रहा है। वर्ष 1976 में डी. एस. कोठारी समिति की अनुशंसाओं के आधार पर प्रारंभिक, मुख्य और साक्षात्कार वाले त्रिस्तरीय प्रारूप को अपनाया गया था। इसके बाद, 1989 में सतीश चंद्र समिति ने निबंध के अनिवार्य प्रश्नपत्र को जोड़ा।इस दिशा में सबसे बड़ा वैचारिक बदलाव 2001 में प्रोफेसर वाई. के. अलघ समिति की रिपोर्ट से आया। इस समिति ने वकालत की कि प्रारंभिक स्तर पर अभ्यर्थियों का मूल्यांकन उनके वैकल्पिक विषयों के बजाय एक साझा प्रश्नपत्र के जरिए होना चाहिए। इसका उद्देश्य सभी अभ्यर्थियों को समान अवसर उपलब्ध कराना था, ताकि अलग-अलग विषयों के कारण अंकों के मानकीकरण में आने वाली विसंगतियों को खत्म किया जा सके। इसके बाद, वर्ष 2009 - 10 में प्रोफेसर एस. के. खन्ना की अध्यक्षता में एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति बनी, जिसने इस नए अभिवृत्ति परीक्षण का पाठ्यक्रम तैयार किया। अंततः वर्ष 2011 में प्रारंभिक परीक्षा से वैकल्पिक विषय को हटाकर इसे सामान्य अध्ययन के द्वितीय प्रश्नपत्र के रूप में लागू कर दिया गया। शुरुआत के कुछ वर्षों (2011 - 2014) में इसके अंक मेरिट में जोड़े जाते थे, जिसने परीक्षा की पूरी दिशा ही बदल दी।

वर्ष 2013 - 2014 आते-आते यह असंतोष एक बड़े छात्र आंदोलन में बदल गया। दिल्ली के मुखर्जी नगर जैसे केंद्रों पर भारी प्रदर्शन हुए। इसका एक बड़ा कारण मशीनी अनुवाद की भयंकर गलतियां थीं। उदाहरण के तौर पर, अंग्रेजी के 'इस्पात संयंत्र' वाले शब्द को हिंदी में 'लोहे का पौधा' अनुवादित कर दिया गया। ऐसी गलतियों ने हिंदी माध्यम के छात्रों के लिए तार्किक प्रश्नों को समझना असंभव बना दिया। भारी राजनीतिक दबाव के बाद, सरकार ने वर्ष 2015 से इस अभिवृत्ति परीक्षण को पूरी तरह से अर्हकारी (केवल पास करने योग्य) बना दिया। नए नियमों के तहत अभ्यर्थियों को 200 में से केवल 33 प्रतिशत (छियासठ दशमलव छह सात अंक) लाना अनिवार्य कर दिया गया और मेरिट केवल प्रथम प्रश्नपत्र के आधार पर बनने लगी।

विषयवार रुझानों का विश्लेषण करने पर स्पष्ट होता है कि यह प्रश्नपत्र अब छंटनी का सबसे बड़ा हथियार बन गया है। वर्ष 2021 में जहाँ गणित के 35 और तर्कशक्ति के 18 प्रश्न पूछे गए थे, वहीं 2023 में गणित के सर्वाधिक 43 प्रश्न पूछे गए, जो पूरे प्रश्नपत्र का आधे से अधिक था। इस दौरान बोधगम्यता के प्रश्न 26 के आसपास स्थिर रहे, लेकिन तर्कशक्ति के प्रश्न घटकर 11 रह गए। सबसे अधिक ध्यान संख्या पद्धति और क्रमचय-संचय जैसे उच्च स्तरीय विषयों पर केंद्रित कर दिया गया। प्रश्नों के स्वरूप में भी बदलाव आया; अब 'आंकड़े की पर्याप्तता' और 'कथन आधारित' प्रश्न अधिक पूछे जा रहे हैं, जो सीधे तौर पर प्रबंधन (कैट) और प्रौद्योगिकी संस्थानों की संयुक्त प्रवेश परीक्षाओं से प्रेरित लगते हैं। बोधगम्यता के अनुच्छेदों को भी दार्शनिक और अत्यधिक गूढ़ बना दिया गया है। नकारात्मक अंकन (प्रत्येक गलत उत्तर पर शून्य दशमलव आठ तीन अंक की कटौती) के चलते सीमित समय में इन्हें हल करना गैर-विज्ञान पृष्ठभूमि वालों के लिए विनाशकारी साबित हुआ है।

भले ही इसके अंक अंतिम मेरिट में नहीं जुड़ते, लेकिन प्रथम प्रश्नपत्र की कट-ऑफ पर इसका असर बहुत गहरा है। सांख्यिकीय आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2019 में सामान्य वर्ग का कट-ऑफ 98 अंक था, जो धीरे-धीरे गिरकर 2022 में 88.22 पर आ गया। लेकिन 2023 में यह ऐतिहासिक रूप से गिरकर 75.41 पर आ गया। 2024 में थोड़ा संतुलन आने पर सामान्य वर्ग का कट-ऑफ फिर से 87.98 पर पहुंचा। कट-ऑफ में आई इस भारी गिरावट का मुख्य कारण यह था कि प्रथम प्रश्नपत्र में बहुत अच्छे अंक लाने वाले मेधावी छात्र अर्हकारी प्रश्नपत्र की न्यूनतम अर्हता भी प्राप्त नहीं कर सके और दौड़ से बाहर हो गए।

आयोग की 73 वीं और 74 वीं वार्षिक रिपोर्ट स्पष्ट रूप से एक तकनीकी नौकरशाही के उभार की पुष्टि करती है। अंतिम रूप से सफल होने वाले अभ्यर्थियों में इंजीनियरिंग और विज्ञान के छात्रों का दबदबा 65 से 75 प्रतिशत तक पहुँच गया है, जबकि मानविकी पृष्ठभूमि वालों की हिस्सेदारी गिरकर 23 प्रतिशत रह गई है। विडंबना यह है कि 74 वीं रिपोर्ट के अनुसार सफलता दर मानविकी विषयों में कहीं अधिक है। हिंदी साहित्य में यह लगभग 14.6 प्रतिशत, लोक प्रशासन में 8.8 प्रतिशत, राजनीति विज्ञान और अंतरराष्ट्रीय संबंध में लगभग 8 प्रतिशत, समाजशास्त्र में 7.8 प्रतिशत और भूगोल में 7.5 प्रतिशत रही। इसका सीधा अर्थ है कि समस्या मानविकी के पाठ्यक्रम में नहीं है, बल्कि प्रारंभिक स्तर की परीक्षा में है, जो कला के वास्तविक स्नातकों को पहले ही चरण में बाहर कर देती है। इस पूरी व्यवस्था का सबसे नकारात्मक असर हिंदी माध्यम के अभ्यर्थियों पर पड़ा है। संसदीय आंकड़ों के अनुसार, जहां पहले हिंदी माध्यम से 15 - 20 प्रतिशत छात्र चयनित होते थे, वहीं अब यह संख्या नगण्य हो गई है। 2021 में मुख्य परीक्षा देने वाले 538 हिंदी माध्यम के अभ्यर्थियों में से केवल 10 को शीर्ष प्रशासनिक एवं पुलिस सेवा के लिए अनुशंसित किया गया। यह आंकड़ा 2022 में 27, 2023 में 14 रहा और 2024 में 1133 अभ्यर्थियों के मुख्य परीक्षा देने के बावजूद मात्र 5 अभ्यर्थी ही शीर्ष पदों तक पहुँच सके। इसके पीछे क्लिष्ट अनुवाद, पठन सामग्री का अभाव और स्कूली शिक्षा व्यवस्था की सीमाएं सबसे प्रमुख कारण हैं। इन तमाम ढांचागत मुद्दों को संज्ञान में लेते हुए संसदीय स्थायी समिति ने सिफारिश की है कि आयोग को इस परीक्षा के पाठ्यक्रम और कठिनाई स्तर की समग्र समीक्षा करनी चाहिए। इसे अनुभवजन्य तथ्यों के विश्लेषण के आधार पर इस तरह तर्कसंगत बनाया जाना चाहिए कि किसी विशेष शैक्षणिक पृष्ठभूमि को अनुचित लाभ न मिले। संसदीय रिपोर्ट ने एक बार फिर इस बहस को जीवित कर दिया है कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश को किस प्रकार के प्रशासकों की आवश्यकता है। प्रशासन केवल गणितीय पहेलियों को सुलझाने का काम नहीं है; इसके लिए समाजशास्त्रीय समझ, समावेशी दृष्टिकोण और हाशिए पर खड़े लोगों के प्रति गहरी संवेदना की आवश्यकता होती है। वर्तमान स्वरूप ने अनजाने में ऐसी नौकरशाही को जन्म दिया है, जहां विचारों की विविधता का अभाव हो सकता है।

आज के आंकड़ा-संचालित युग में त्वरित निर्णय लेने की क्षमता का परीक्षण जरूरी है, लेकिन अर्हकारी परीक्षा को ऐसी बाधा दौड़ नहीं बनाना चाहिए जिसे केवल तकनीकी रूप से प्रशिक्षित लोग ही पार कर सकें। आयोग और संबंधित विभागों को संसदीय समिति के सुझावों पर त्वरित और साक्ष्य-आधारित कार्यवाही करनी चाहिए। अनुवाद की गुणवत्ता सुधारने और भाषाई समानता सुनिश्चित करने से ही भारत का प्रशासनिक ढांचा सच्चे अर्थों में समावेशी, संवेदनशील और राष्ट्र की विविधता का प्रतिनिधि बन सकेगा। अपने 100वें वर्ष के ऐतिहासिक मुकाम पर खड़े संघ लोक सेवा आयोग के लिए, 160वीं संसदीय समिति की यह रिपोर्ट महज एक सुझाव नहीं, बल्कि एक गंभीर चेतावनी है। भारत जैसे विविधतापूर्ण और जटिल समाज को केवल उच्च-स्तरीय गणितीय पहेलियां सुलझाने वाले 'तकनीकी प्रशासकों' की आवश्यकता नहीं है; उसे ऐसे संवेदनशील अधिकारियों की जरूरत है जो समाज के हाशिए पर खड़े लोगों का दर्द समझ सकें। सीसैट के वर्तमान स्वरूप ने अनजाने में ही सही, लेकिन भारतीय प्रशासन से विचारों की विविधता और भाषाई समानता को तेजी से खत्म करने का काम किया है। यदि कला, मानविकी और हिंदी माध्यम के मेधावी छात्र प्रारंभिक प्रवेश द्वार से ही बाहर होते रहे, तो हमारी प्रशासनिक नीतियां केवल यांत्रिक बनकर रह जाएंगी और अपनी मानवीय संवेदना खो देंगी। अब समय आ गया है कि संघ लोक सेवा आयोग और सरकार संसदीय समिति की सिफारिशों पर त्वरित अमल करें। सीसैट के कठिनाई स्तर को तर्कसंगत बनाना और अनुवाद की विसंगतियों को दूर करना अब कोई विकल्प नहीं, बल्कि एक अनिवार्यता है। व्यवस्था में यह सुधार ही सुनिश्चित करेगा कि भारत का लौह ढांचा तकनीकी रूप से दक्ष होने के साथ-साथ, सही मायनों में समावेशी हो और राष्ट्र की असली विविधता का प्रतिनिधित्व करे।

अर्थव्यवस्था मजबूत, फिर शेयर बाजार क्यों गिर रहा है?

भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर तेज बनी हुई है। उद्योगों की गतिविधियां बढ़ रही हैं। बैंकिंग व्यवस्था मजबूत हो रही है। निर्यात में विस्तार दिखाई दे रहा है और कर संग्रह लगातार ऊंचे स्तर पर पहुंच रहा है। इसके बावजूद शेयर बाजार में लगातार गिरावट ने कई सवाल खड़े किए हैं। सेंसेक्स 1 अक्टूबर 2025 के 80,983 अंक से घटकर 1 अक्टूबर 2026 को 71,910 अंक और निफ्टी 24,836 से गिरकर 22,422 अंक पर आ गया। यानी एक वर्ष में दोनों प्रमुख सूचकांक में लगभग 10 से 11 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। क्या यह गिरावट भारतीय अर्थव्यवस्था की कमजोरी का संकेत है? उपलब्ध आर्थिक संकेतक इसका समर्थन करते दिखाई नहीं देते।

प्रहलाद सबनानी

शेयर बाजार और अर्थव्यवस्था के बीच संबंध अवश्य है, पर दोनों हमेशा एक दिशा में नहीं चलते। शेयर बाजार मुख्यतः सूचीबद्ध कंपनियों की भविष्य की आय, लाभप्रदता और निवेशकों की अपेक्षाओं के आधार पर मूल्य तय करता है। इसके साथ वैश्विक पूंजी का प्रवाह भी बाजार की दिशा प्रभावित करता है। मौजूदा गिरावट को समझने के लिए विदेशी संस्थागत निवेशकों के व्यवहार, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों, कच्चे तेल की कीमतों, डॉलर की मजबूती और भारतीय शेयरों के अपेक्षाकृत ऊंचे मूल्यांकन को देखना होगा।

विदेशी पूंजी की बड़ी निकासी

वर्ष 2026 में अब तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से लगभग 2.8 लाख करोड़ रुपये की निकासी की है। वैश्विक निवेशकों के लिए इस समय अमेरिका के बॉन्ड, अमेरिकी शेयर बाजार और कुछ उभरते बाजार अधिक आकर्षक दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका में बॉन्ड यील्ड का ऊंचा स्तर सुरक्षित निवेश के साथ बेहतर रिटर्न का विकल्प प्रस्तुत करता है। अमेरिकी तकनीकी कंपनियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित नवाचार से उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ने की उम्मीद भी वहां निवेश आकर्षित कर रही है।

वियतनाम और दक्षिण कोरिया जैसे बाजारों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा तकनीकी क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों की संभावनाएं विदेशी निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं। चीन भी इस दौड़ में महत्वपूर्ण है। लंबे समय तक कमजोर प्रदर्शन के कारण चीनी कंपनियों का कीमत-आय अनुपात भारतीय कंपनियों की तुलना में अधिक आकर्षक हो गया है। जहां चीन में औसत पीई अनुपात 12 के नीचे बताया जा रहा है, वहीं भारत में यह 20 से ऊपर है। ऐसे में वैश्विक निवेशक समान पूंजी से अधिक संभावित मूल्य प्राप्त करने के लिए चीन की ओर भी देख रहे हैं।

यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बीच भारतीय संस्थागत निवेशक बाजार में पूंजी लगा रहे हैं। म्यूचुअल फंडों के माध्यम से हर महीने 30,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश भारतीय शेयर बाजार में हो रहा है। इसका अर्थ है कि बाजार से पूंजी पूरी तरह बाहर नहीं जा रही, उसका स्वामित्व और प्रवाह एक हिस्से में विदेशी निवेशकों से घरेलू निवेशकों की ओर स्थानांतरित हो रहा है।

युद्ध, तेल और डॉलर का दबाव

वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव ने भी बाजार की चिंता बढ़ाई है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में संघर्ष और अन्य अंतरराष्ट्रीय तनावों का असर ऊर्जा बाजार पर पड़ता है। कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गई हैं, जबकि एक वर्ष पहले यह लगभग 65 डॉलर थीं। भारत अपनी कच्चे तेल की खपत का 90 प्रतिशत से अधिक आयात करता है। इसलिए तेल की कीमतों में बड़ी वृद्धि से आयात बिल, चालू खाते और रुपये पर दबाव बढ़ सकता है।

फिर भी यह समझना आवश्यक है कि आशंका और वास्तविक आर्थिक स्थिति दो अलग-अलग चीजें हैं। भारत में महंगाई को नियंत्रण में रखने के प्रयास अब तक प्रभावी रहे हैं। बाजार भविष्य की संभावित चुनौतियों को वर्तमान कीमतों में शामिल करता है। इसी कारण किसी वैश्विक जोखिम की आशंका भी शेयरों की कीमतों को प्रभावित कर सकती है।

डॉलर की मजबूती ने दबाव और बढ़ाया है। डॉलर इंडेक्स 1 अक्टूबर 2025 के 97.71 से बढ़कर 1 अक्टूबर 2026 को 101.80 के स्तर पर पहुंच गया। इसी अवधि में रुपया लगभग 96 रुपये प्रति डॉलर तक कमजोर हुआ। सोने की कीमत भी 3,871 डॉलर प्रति औंस से बढ़कर 4,170 डॉलर पहुंच गई है। भारत सोने का बड़ा आयातक है और इसके भुगतान के लिए डॉलर की आवश्यकता होती है। इससे रुपये पर अतिरिक्त दबाव बनता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की तस्वीर अलग

यदि शेयर बाजार की गिरावट को आर्थिक गतिविधियों के वास्तविक आंकड़ों के साथ रखकर देखा जाए तो तस्वीर काफी अलग दिखाई देती है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही। यह वैश्विक अनुमानित वृद्धि दर लगभग 3 प्रतिशत और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं की लगभग 3.8 प्रतिशत दर से काफी ऊपर है।

अगस्त 2026 में औद्योगिक विकास दर 8 प्रतिशत रही, जबकि अगस्त 2025 में यह 4.7 प्रतिशत थी। अगस्त 2026 में वस्तुओं का निर्यात लगभग 4,380 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया, जबकि एक वर्ष पहले यह 3,480 करोड़ डॉलर था। 15 सितंबर 2026 को समाप्त पखवाड़े में बैंक ऋण वृद्धि 18.1 प्रतिशत रही, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 10.4 प्रतिशत थी। बैंक जमा की वृद्धि भी 9.5 प्रतिशत से बढ़कर 17.3 प्रतिशत हुई। ऋण-जमा अनुपात लगभग 81 प्रतिशत के स्तर पर पहुंचना अर्थव्यवस्था में बढ़ती ऋण मांग का संकेत देता है।

बैंकिंग क्षेत्र की मजबूती भी महत्वपूर्ण है। सकल गैर-निष्पादित आस्तियां जुलाई 2025 के 2.2 प्रतिशत से घटकर जुलाई 2026 में 1.68 प्रतिशत रह गईं। शुद्ध एनपीए 0.5 प्रतिशत से घटकर 0.4 प्रतिशत रहा। पूंजी पर्याप्तता अनुपात 17.5 प्रतिशत से बढ़कर 17.8 प्रतिशत हो गया। यह बताता है कि भारतीय बैंकिंग प्रणाली पहले की तुलना में अधिक मजबूत पूंजी आधार के साथ आर्थिक गतिविधियों को समर्थन दे रही है।

उद्योगों द्वारा उत्पादन क्षमता का 75 प्रतिशत से अधिक उपयोग किया जाना भी अर्थव्यवस्था में मांग की मजबूती दर्शाता है। जब क्षमता उपयोग इस स्तर तक पहुंचता है तो कंपनियों के सामने उत्पादन क्षमता विस्तार की आवश्यकता उभरती है। जीएसटी संग्रह इसका एक और संकेतक है। सितंबर 2026 में 14.5 प्रतिशत वृद्धि के साथ जीएसटी संग्रह 2.04 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा और लगातार तीसरे महीने यह आंकड़ा दो लाख करोड़ रुपये से ऊपर रहा।

डिजिटल अर्थव्यवस्था की गति भी उल्लेखनीय है। सितंबर 2026 में यूपीआई के माध्यम से प्रतिदिन औसतन 80 करोड़ से अधिक लेन-देन दर्ज हुए। अगस्त में यह संख्या लगभग 79 करोड़ और सितंबर 2025 में 65 करोड़ से अधिक थी। यह भारत में औपचारिक अर्थव्यवस्था और डिजिटल भुगतान के विस्तार का स्पष्ट संकेत है।

गिरावट को संकट का प्रमाण मानना उचित नहीं

भारतीय शेयर बाजार की मौजूदा गिरावट को पूरी भारतीय अर्थव्यवस्था का आईना मानना उचित नहीं होगा। बाजार पर विदेशी पूंजी की निकासी, वैश्विक ब्याज दरें, डॉलर की मजबूती, तेल की कीमतें, भू-राजनीतिक तनाव और कंपनियों के मूल्यांकन जैसे अनेक कारक एक साथ प्रभाव डाल रहे हैं। इसका अर्थ यह भी नहीं कि भारत के सामने चुनौतियां नहीं हैं। महंगा कच्चा तेल, रुपये पर दबाव और वैश्विक पूंजी के बदलते रुझान अर्थव्यवस्था के लिए वास्तविक जोखिम हैं। इनसे निपटने के लिए ऊर्जा सुरक्षा, निर्यात प्रतिस्पर्धा, विनिर्माण विस्तार, घरेलू पूंजी निर्माण और वित्तीय अनुशासन पर निरंतर ध्यान आवश्यक है।

फिर भी शेयर बाजार में 10-11 प्रतिशत की गिरावट को आधार बनाकर भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने किसी बड़े संकट की तस्वीर खींचना तथ्यों से मेल नहीं खाता। आर्थिक विकास, औद्योगिक उत्पादन, बैंक ऋण, जीएसटी संग्रह, निर्यात, बैंकिंग स्वास्थ्य और डिजिटल लेन-देन जैसे संकेतक व्यापक आर्थिक गतिविधियों में मजबूती दर्शा रहे हैं। इसलिए वर्तमान स्थिति को भारतीय अर्थव्यवस्था के संकट के रूप में देखने के बजाय वैश्विक पूंजी के पुनर्संयोजन और बाजार मूल्यांकन के सुधार के रूप में देखना अधिक तर्कसंगत होगा।

वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह के तहत केल्हारी परिक्षेत्र में निकली जन-जागरूकता बाइक रैली

गांव-गांव पहुंचा वन एवं वन्यजीव संरक्षण का संदेश, हाथियों से सामना होने पर बरती जाने वाली सावधानियों की दी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। वनमण्डल मनेंद्रगढ़ अंतर्गत वन परिक्षेत्र केल्हारी में वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह के अवसर पर रविवार को जन-जागरूकता बाइक रैली का आयोजन किया गया रैली के माध्यम से ग्रामीणों को वन्य प्राणियों के संरक्षण मानव-वन्य प्राणी सह-अस्तित्व तथा वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया इसके साथ ही हाथियों की मौजूदगी के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों और क्या करें-क्या न करें के संबंध में भी जानकारी दी गई जन-जागरूकता कार्यक्रम वनमण्डलाधिकारी एवं उप वनमण्डलाधिकारी के मार्गदर्शन तथा वन परिक्षेत्राधिकारी केल्हारी के निर्देशन में आयोजित किया गया बाइक रैली में वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों एवं चौकीदारों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न गांवों में पहुंचकर वन्यजीव संरक्षण का संदेश दिया

वन्यप्राणी संरक्षण जागरूकता बाइक रैली ग्राम कछौड़ से प्रारंभ हुई। रैली पहाड़ हंसवाही, मांझीडांड, रोझी, दुगला, केल्हारी, चरवाही, डोंडकी, ढाबा, बहेराटोला और नवाटोला सहित विभिन्न गांवों से होते हुए तिलोखन पहुंची, जहां इसका समापन किया गया इस दौरान वन अमले ने ग्रामीणों से संवाद कर वन्यप्राणियों और उनके प्राकृतिक रहवास के संरक्षण में आम नागरिकों की सहभागिता के महत्व को समझाया। वन विभाग द्वारा ग्रामीणों को बताया गया कि वन एवं वन्यजीव प्रकृति और पर्यावरण के संतुलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। वन्यप्राणियों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने के साथ उनके प्राकृतिक रहवास को सुरक्षित रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है विशेष रूप से वन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले लोगों से वन्यजीवों के दिखाई देने पर सतर्कता बरतने और किसी भी प्रकार से उन्हें परेशान नहीं करने की अपील की गई रैली के दौरान हाथियों की मौजूदगी की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों पर विशेष रूप से जागरूक किया गया ग्रामीणों को समझाया गया कि हाथी दिखाई देने पर उन्हें छेड़ने उनके नजदीक जाने अथवा पटाखे फोड़कर भगाने का प्रयास नहीं करना चाहिए। किसी भी प्रकार से हाथियों को परेशान करने पर वे आक्रामक हो सकते हैं जिससे जनहानि एवं संपत्ति को नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ सकता है वन अमले ने लोगों से हाथियों की गतिविधियों की जानकारी मिलने पर सतर्क रहें सुरक्षित दूरी बनाए रखने तथा वन विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की। साथ ही वन्य प्राणियों के विचरण की सूचना मिलने पर जिम्मेदारी और संयम के साथ व्यवहार करने का संदेश दिया गया विद्यार्थियों को भी किया जाएगा जागरूक वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह के तहत जन-जागरूकता गतिविधियां आगे भी जारी रहेंगी। इसी क्रम में केल्हारी के महाविद्यालय एवं स्वामी आत्मानंद विद्यालय में छात्र-छात्राओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को वन्यजीव संरक्षण पर्यावरण संतुलन मानव-वन्यप्राणी सह-अस्तित्व और वन संपदा की सुरक्षा के महत्व से अवगत कराया जाएगा वन विभाग की इस पहल का उद्देश्य वन्यजीव संरक्षण को केवल विभागीय दायित्व तक सीमित न रखते हुए इसमें जनभागीदारी बढ़ाना और ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों को प्रकृति तथा वन्यप्राणियों की सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार एवं संवेदनशील बनाना है।

शराब दुकान हटाने की मांग पर 50 से ज्यादा आदिवासी महिलाओं का चक्काजाम

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। मढ़ई सारंगपुर में शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर मंगलवार को 50 से अधिक आदिवासी महिलाओं ने मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया महिलाएं दोपहर करीब 1 बजे से डंडे लेकर सड़क पर बैठीं और जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की तीन घंटे से अधिक समय तक चले प्रदर्शन के बावजूद महिलाएं अपनी मांग पर अड़ी रहीं। धरने में कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह पटेल भी शामिल हुए और महिलाओं की मांग का समर्थन किया शराब दुकान के आसपास असामाजिक गतिविधियों का आरोप प्रदर्शन कर रही महिलाओं का आरोप है कि शराब दुकान के आसपास आए दिन शराब पीने वालों का जमावड़ा लगा रहता है उनका कहना है कि इसी मार्ग से स्कूल की छात्राएं भी गुजरती हैं शराबियों द्वारा छात्राओं पर फब्तियां कसने और छेड़छाड़ करने की शिकायतें सामने आती रही हैं इससे छात्राओं और उनके अभिभावकों में असुरक्षा का माहौल है महिलाओं ने शराब दुकान को आबादी और स्कूल मार्ग से हटाने की मांग की चक्काजाम की सूचना मिलने पर सोहागपुर एसडीओपी अरविंद शाह तहसीलदार, थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी, आबकारी विभाग के अधिकारी और पुलिस बल मौके पर पहुंचा अधिकारियों ने महिलाओं से बातचीत कर धरना समाप्त करने की अपील की, लेकिन महिलाएं शराब दुकान हटाने की मांग पर अड़ी रहीं एसडीएम डॉ. बबीता राठौर ने बताया कि ग्रामीणों की ओर से शराब दुकान का स्थान बदलने की मांग रखी गई है प्रशासन ने उन्हें आश्वासन दिया है कि अगले वित्तीय वर्ष से पहले दुकान का स्थान बदल दिया जाएगा महिलाओं ने बताया कि इससे पहले 21 सितंबर को भी शराब दुकान के सामने धरना दिया गया था उस दौरान दुकान हटाने का अल्टीमेटम दिया गया था मांग पर तत्काल समाधान नहीं होने के कारण मंगलवार को दोबारा प्रदर्शन करना पड़ा धरने में पहुंचे पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह पटेल ने भी महिलाओं के आंदोलन का समर्थन किया।

विद्यार्थियों को बड़ी राहत, जरूरी दस्तावेजों के लिए अब नहीं लगाने पड़ेंगे चक्कर

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव की पहल, माध्यमिक शिक्षा मंडल की महत्वपूर्ण सेवाएं लोक सेवा गारंटी के दायरे में

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विद्यार्थियों और अभिभावकों को शैक्षणिक दस्तावेजों के लिए अब बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव की पहल पर छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की महत्वपूर्ण सेवाओं को लोक सेवा गारंटी अधिनियम के दायरे में लाते हुए उनके निराकरण के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई है इससे विद्यार्थियों को जरूरी दस्तावेज समय पर मिलने के साथ सेवाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी नई व्यवस्था के तहत डुप्लीकेट माइग्रेशन प्रमाण-पत्र, डुप्लीकेट अंकसूची उत्तर पुस्तिका की पुनर्गणना एवं पुनर्मूल्यांकन तथा उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी जैसी सेवाएं निर्धारित प्रक्रिया के तहत समय-सीमा में उपलब्ध कराई जाएंगी डुप्लीकेट माइग्रेशन प्रमाण-पत्र और डुप्लीकेट अंकसूची के लिए 60 दिवस की समय-सीमा निर्धारित की गई है उत्तर पुस्तिका की पुनर्गणना, पुनर्मूल्यांकन और फोटोकॉपी संबंधी सेवाओं के लिए भी निर्धारित प्रक्रिया के बाद 60 दिवस की समय-सीमा रखी गई है शिक्षा मंत्री यादव ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने ही दस्तावेजों के लिए परेशान होना पड़े यह स्वीकार्य नहीं है परीक्षा परिणाम के बाद विद्यार्थियों के लिए हर दिन महत्वपूर्ण होता है उच्च शिक्षा में प्रवेश, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाओं और अन्य शैक्षणिक कार्यों के लिए जरूरी दस्तावेज समय पर उपलब्ध होना आवश्यक है सरकार की प्राथमिकता विद्यार्थियों को सरल पारदर्शी और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना है उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपना समय पढ़ाई और भविष्य निर्माण में लगाएं उन्हें सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने में समय और ऊर्जा खर्च न करनी पड़े मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को विद्यार्थी केंद्रित बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है माध्यमिक शिक्षा मंडल की सेवाओं को समय-सीमा से जोड़ना इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को विद्यार्थियों से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने और निर्धारित समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं उन्होंने कहा कि किसी विद्यार्थी को केवल दस्तावेज प्राप्त करने अथवा परीक्षा संबंधी प्रक्रिया के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना चाहिए नई व्यवस्था से विशेष रूप से उन विद्यार्थियों को राहत मिलेगी जिन्हें आगे की पढ़ाई प्रवेश छात्रवृत्ति अथवा अन्य शैक्षणिक कार्यों के लिए डुप्लीकेट अंकसूची माइग्रेशन प्रमाण-पत्र या उत्तरपुस्तिका से संबंधित सेवाओं की आवश्यकता होती है।

शिवपुरी जनसुनवाई में गूंजे इलाज, रोजगार और पंचायत से जुड़े मुद्दे

किडनी मरीज के इलाज के लिए 10 लाख रुपए की मांग, दुकानदारों ने दीपावली तक ठेला लगाने की अनुमति मांगी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में जिलेभर से पहुंचे लोगों ने इलाज रोजगार, पंचायत और सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। उदयपुर से पहुंची हर्षिता जोशी ने अपने माता-पिता के इलाज के लिए बैंक में जमा राशि में से 10 लाख रुपए एकमुश्त दिलाने की मांग की वहीं टेकरी रोड के कपड़ा विक्रेताओं ने दीपावली तक ठेला लगाने की अनुमति मांगी पोहरी के सांपरवाड़ा के ग्रामीणों ने पंचायत में अनियमितताओं की शिकायत की, जबकि मगरौनी की आशा बाई किन्नर ने परेशान करने और धमकी देने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की डायलिसिस करा रहे बुजुर्ग के इलाज के लिए मांगी राशि हर्षिता जोशी ने बताया कि उनके माता-पिता युगल कुमार जोशी और मधु जोशी का शिवपुरी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में संयुक्त खाता है। खाते में राशि जमा होने के बावजूद उन्हें एक सप्ताह में केवल एक हजार रुपए दिए जा रहे हैं। 72 वर्षीय युगल कुमार जोशी पिछले चार वर्षों से उदयपुर में किडनी की बीमारी के उपचार और डायलिसिस करा रहे हैं परिवार ने इलाज के लिए खाते से 10 लाख रुपए एकमुश्त दिलाने की मांग की दीपावली तक ठेला लगाने की अनुमति

टेकरी रोड स्थित गर्ल्स स्कूल के पास कपड़े बेचने वाले दुकानदारों ने बताया कि वे वर्षों से ठेला लगाकर परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं करीब सात साल पहले प्रशासन ने उन्हें वर्तमान स्थान पर दुकान लगाने की अनुमति दी थी अब हटाए जाने की कार्रवाई के बीच दुकानदारों ने दीपावली के लिए कर्ज लेकर माल खरीदने का हवाला दिया उन्होंने दो माह तक ठेला या टेबल लगाने की अनुमति मांगी पंचायत में निर्माण कार्यों में गड़बड़ी का आरोप पोहरी की ग्राम पंचायत सांपरवाड़ा के ग्रामीणों ने सरपंच मिथलेश धाकड़ और सचिव रामभरत धाकड़ पर सरकारी राशि निकालने के बाद काम नहीं कराने के आरोप लगाए। ग्रामीणों ने पंचायत भवन, सड़क, नाली, बिजली और पानी की समस्याएं भी गिनाईं। उन्होंने पंचायत के कार्यों की जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की किन्नर ने लगाया धमकी देने का आरोप मगरौनी की आशा बाई किन्नर ने मोनिका किन्नर और अमित जाट सहित कुछ लोगों पर परेशान करने और झूठे मामले में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाया उन्होंने बताया कि 29 सितंबर को मगरौनी पुलिस चौकी में शिकायत भी दी थी अब उन्होंने जनसुनवाई में मामले में कार्रवाई की मांग रखी।

20 दिन में 110 चोरी के वाहन जब्त, वाहन चोर गिरोहों पर पुलिस का शिकंजा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने वाहन चोरी के खिलाफ प्रदेशभर में चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। पिछले 20 दिनों में अलग-अलग जिलों में पुलिस ने चोरी किए गए 110 वाहन जब्त किए हैं कार्रवाई में वाहन चोरों की गिरफ्तारी के साथ विधिविरुद्ध बालकों को भी अभिरक्षा में लिया गया है पुलिस ने चोरी के मामलों का खुलासा CCTV फुटेज, तकनीकी साक्ष्य मुखबिर तंत्र और लगातार पतारसी के आधार पर किया गुना में अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा चांचौड़ा थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय मोटरसाइकिल चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया इनके कब्जे से गुना, इंदौर, राजगढ़ और राजस्थान के विभिन्न स्थानों से चोरी की गई

24 मोटरसाइकिलें बरामद हुईं बैतूल में 22 बाइक बरामद भैंसदेही पुलिस ने एक वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 21 चोरी की मोटरसाइकिलें जब्त कीं,जिनकी कीमत करीब 15 लाख रुपए है। कोतवाली पुलिस ने भी एक बाइक बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया। दोनों कार्रवाइयों में कुल 22 बाइक जब्त हुईं ग्वालियर में 22 मोटरसाइकिलें जब्त डबरा सिटी पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर 19 मोटरसाइकिलें बरामद कीं। मुरार पुलिस ने ष्टष्टङ्घङ्क की मदद से चोरी की बुलेट के साथ एक विधिविरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लिया। भितरवार पुलिस ने दो कार्रवाइयों में दो बाइक बरामद कीं जबलपुर में 13 वाहन बरामद हनुमानताल पुलिस ने छह वाहन चोरों को गिरफ्तार कर एक विधिविरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लिया आरोपियों से 13 दुपहिया वाहन पांच मोबाइल और चाकू बरामद किए गए बरामद सामग्री की कीमत करीब 15 लाख रुपए बताई गई है टीकमगढ़ पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार कर नौ मोटरसाइकिलें जब्त कीं इसके अलावा इंदौर से तीन चार पहिया वाहन, धार से तीन वाहन तथा मंदसौर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा सहित अन्य जिलों से भी चोरी के वाहन बरामद किए गए हैं पुलिस का कहना है कि तकनीकी निगरानी और CCTV के जरिए वाहन चोरी के नेटवर्क पर लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

डायल-112 से फॉरेंसिक जांच तक, प्रदर्शनी में दिख रही न्याय की पूरी प्रक्रिया

मीडिया ऑडीटर,भोपाल(निप्र)। भेल दशहरा मैदान में नवीन न्याय संहिताओं पर आधारित भव्य प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा आधुनिक पुलिसिंग और न्याय प्रक्रिया की जानकारी आमजन को सरल तरीके से दी जा रही है 7 अक्टूबर तक चलने वाली पांच दिवसीय प्रदर्शनी में 14 विशेष जोन बनाए गए हैं इनमें अपराध की सूचना मिलने से लेकर पुलिस रिस्पॉन्स, क्राइम सीन की जांच वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन, फॉरेंसिक जांच अभियोजन और न्यायालयीन प्रक्रिया को मॉडल डिजिटल तकनीक, वीडियो और सजीव नाट्य मंचन के माध्यम से समझाया जा रहा है डायल-112 की लाइव कार्यप्रणाली बनी आकर्षण प्रदर्शनी में डायल-112 की कार्यप्रणाली का लाइव डेमो प्रमुख आकर्षण है आपातकालीन कॉल प्राप्त करने, आवश्यक जानकारी दर्ज करने सूचना का विश्लेषण कर पुलिस टीम को मौके पर भेजने और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मॉनिटरिंग की प्रक्रिया दिखाई जा रही है। प्रदेशभर में 1200 एफआरवी वाहनों की निगरानी और समन्वय

व्यवस्था की जानकारी भी दी जा रही है क्राइम सीन से न्यायालय तक साक्ष्य की कहानी 3डी क्राइम सीन मॉडल के जरिए घटनास्थल को सुरक्षित करने फिंगरप्रिंट, जैविक साक्ष्य कारतूस और अन्य भौतिक साक्ष्यों के वैज्ञानिक संकलन की प्रक्रिया बताई जा रही है एफएसएल टीम फिंगरप्रिंट विशेषज्ञ डॉग स्क्वाड और मोबाइल फॉरेंसिक वैन की भूमिका भी नाट्य मंचन के जरिए समझाई जा रही है साइबर ठगी से बचाव का संदेश प्रदर्शनी में साइबर अपराधों से बचाव के उपाय भी बताए जा रहे हैं ठगी होने पर तत्काल 1930 पर सूचना देने और साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी जा रही है डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन जॉब स्कैम इन्वेस्टमेंट फ्रॉड और म्यूल अकाउंट के प्रति भी नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है आज वैज्ञानिक अनुसंधान चरण और ऑपरेशन मुस्कान का विशेष मंचन होगा साथ ही हेल्प डेस्क के माध्यम से नागरिकों और विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया जा रहा है।

डिजिटल सेवा ने आसान की राह, बेबी अग्रवाल को महज एक दिन में मिला आय प्रमाण पत्र सेवा सेतु पोर्टल से घर बैठे आवेदन

त्वरित सेवा से खुश हितग्राही ने कहा-समय और मेहनत दोनों की हुई बचत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शासकीय सेवाओं के लिए लंबी प्रक्रिया और कार्यालयों के चक्कर लगाने के बजाय अब डिजिटल माध्यम नागरिकों की राह आसान कर रहे हैं सेवा संकल्प अभियान 2026 के दौरान ऐसा ही सुखद अनुभव मनेन्द्रगढ़ विकासखंड निवासी बेबी अग्रवाल को हुआ। उन्होंने सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आय प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन किया और महज एक दिन में उनका आय प्रमाण पत्र बनकर तैयार हो गया। कम समय में आवश्यक दस्तावेज मिलने से बेबी अग्रवाल बेहद प्रसन्न हैं। उनका अनुभव बताता है कि

तकनीक आधारित सेवाएं किस तरह आम नागरिकों के समय और मेहनत की बचत करते हुए शासकीय सेवाओं तक पहुंच को सरल एवं सुविधाजनक बना रही हैं आवेदन किया और अगले ही दिन मिला प्रमाण पत्र बेबी अग्रवाल बताती हैं कि आय प्रमाण पत्र की आवश्यकता होने पर उन्होंने सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया उनके लिए आसान रही और सबसे बड़ी राहत तब मिली, जब महज एक दिन में आय प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। उन्होंने कहा कि कम समय में प्रमाण पत्र मिलने से उनका जरूरी काम समय पर पूरा हो सका। ऑनलाइन व्यवस्था के कारण अनावश्यक भागदौड़ से भी राहत मिली त्वरित सेवा ने न केवल उनका समय बचाया, बल्कि डिजिटल माध्यम से उपलब्ध शासकीय सेवाओं के प्रति भरोसा भी बढ़ाया सेवा सेतु से शासकीय सेवाओं तक पहुंच हुई आसान सेवा सेतु जैसे डिजिटल माध्यमों के जरिए नागरिक विभिन्न शासकीय सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के साथ आवेदन की स्थिति की जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं इससे सेवाओं को अधिक सरल पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से नागरिकों तक पहुंचाने में मदद मिल रही है सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित सेवा सेतु शिविरों के माध्यम से भी आम नागरिकों को विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं सेवाओं से जोड़ा जा रहा है।

पंचायतों में लाखों की गड़बड़ी के आरोप, छात्राओं ने मांगी स्कूल बस

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। कलेक्ट्रेट में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में पंचायतों में वित्तीय अनियमितता, योजनाओं के लाभ में गड़बड़ी और स्कूल आने-जाने की समस्या से जुड़े मामले सामने आए ग्रामीणों ने विकास कार्यों की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की वहीं दूरस्थ गांवों से स्कूल आने वाली छात्राओं ने बस सुविधा उपलब्ध कराने का आवेदन दिया पुष्पराजगढ़ की खमरौध पंचायत के ग्रामीणों ने सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक फूल सिंह पर विकास कार्यों में गड़बड़ी के आरोप लगाए। शिकायत में 1.40 लाख रुपए के बोरी बंधान, 4.85 लाख की नाली, 20 लाख की दो सीसी सड़क और 8.56 लाख रुपए की पेयजल पाइपलाइन के काम अधूरे या मौके पर नहीं होने की बात कही गई रोजगार सहायक पर रिश्तेदारों के नाम जॉब कार्ड बनाकर भुगतान लेने का आरोप भी लगाया गया बरबसपुर पंचायत में रोजगार सहायक पर रिश्तेदारों को पीएम आवास का लाभ दिलाने के लिए सत्यापन करने का आरोप लगाया गया। भोलगढ़ के ग्रामीणों ने भी अपात्र लोगों को आवास योजना का लाभ मिलने और पात्र आदिवासी परिवारों के नाम सूची से बाहर होने की शिकायत की इधर पुष्पराजगढ़ के अमगवां स्थित पीएम संदीपनी स्कूल की छात्राओं ने बस सुविधा की मांग की। छात्राओं ने बताया कि उन्हें करीब तीन किलोमीटर पैदल चलने के बाद निजी बस से स्कूल जाना पड़ता है। जनसुनवाई कर रही एसडीएम ने आवेदन आदिवासी विकास विभाग को भेजा।

संक्षिप्त समाचार

मंदसौर पुलिस ने 62 किलो अवैध डोडाचूरा जब्त किया

मीडिया ऑडीटर, गरोठ (निप्र)। मंदसौर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थों की तस्करी रोकने का अभियान चल रहा है। इसी कड़ी में सुवासरा थाने की रूनीजा पुलिस चौकी ने कार्रवाई की। पुलिस ने एक इको कार से 62 किलो 900 ग्राम अवैध डोडाचूरा जब्त कर तीन तस्करों को गिरफ्तार किया, जिसका खुलासा सोमवार शाम पुलिस ने किया है। 4 अक्टूबर 2026 को मुखबिर की सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामसनेही मिश्रा और एसडीओपी दिनेश प्रजापति के नेतृत्व में टीम बनी। रूनीजा चौकी प्रभारी भारत कटारा और उनकी टीम ने ढाबला देवल यात्री प्रतीक्षालय के पास घेराबंदी की।

इनको किया गिरफ्तार: पुलिस ने सफेद इको कार (RJ 20 CB 7893) को रोककर तलाशी ली। इसमें विमल के थैलों और ट्रॉली बैगों में डोडाचूरा मिला। मौके से झालावाड़ के कालू सिंह और लुधियाना के लडी व जॉन को पकड़ा गया। पुलिस ने 1.55 लाख रुपए का डोडाचूरा, 5 लाख रुपए की इको कार और 3 मोबाइल जब्त किए। आरोपियों पर सुवासरा थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ है। मुख्य सप्लायर का पता लगाने के लिए पूछताछ जारी है।

पूजा स्पेशल ट्रेन के पांच-पांच फेरे

प्रयागराज और हडपसर के बीच चलेगी, इटारसी जंक्शन पर भी रुकेगी

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। त्योहारों में यात्रियों की भीड़ के लिए रेलवे ने प्रयागराज और हडपसर के बीच पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। इसके पांच-पांच फेरे होंगे। इटारसी जंक्शन पर रुकने से नर्मदापुरम और आसपास के यात्रियों को आने-जाने की सुविधा मिलेगी। ट्रेन नंबर 04107 प्रयागराज से 21 अक्टूबर से 18 नवंबर 2026 तक हर बुधवार रात 10.20 बजे चलेगी। यह अगले दिन सुबह 3.35 बजे इटारसी और शाम 7.30 बजे हडपसर पहुंचेगी। ट्रेन नंबर 04108 हडपसर से 22 अक्टूबर से 19 नवंबर तक हर गुरुवार रात 10.40 बजे चलेगी। वापसी में यह इटारसी पर दोपहर 12.20 बजे और अगले दिन सुबह 6.30 बजे प्रयागराज पहुंचेगी। इस स्पेशल ट्रेन में 21 कोच होंगे (दो एसएलआरडी, छह सामान्य, 12 स्लीपर, एक थर्ड एसी)। यह प्रयागराज, शंकरगढ़, डभौरा, मानिकपुर, चित्रकूट धाम, बांदा, महोबा, खजुराहो, दरियागंज, छतरपुर, टीकमगढ़, ललितपुर, बीना, रानी कमलापति, इटारसी, भुसावल, मनमाड, कोपरगांव, बेलापुर, अहिल्यानगर, दौंड कॉर्ड लाइन और हडपसर स्टेशनों पर रुकेगी। रेलवे ने यात्रियों से इस सुविधा का लाभ उठाने और जानकारी लेने की अपील की है।

मानसून विदाई के बाद दिन में गर्मी, रात में ठंडक

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। मध्यप्रदेश में मानसून की विदाई के बाद दिन में गर्मी और रात में ठंडक बढ़ गई है। पिछली रातों में न्यूनतम तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की गई है। मानसून की विदाई के साथ ही सागर के मौसम का मिजाज बदला है। दिन में जहां तेज धूप पड़ रही है, वहीं शाम ढलते ही वातावरण में ठंडक घुल रही है। इस समय सागर का अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम पारा 20.7 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। सोमवार को सुबह से ही मौसम साफ रहा। दोपहर में तेज धूप खिलने से लोगों को गर्मी का अहसास हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 10 साल के आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो अक्टूबर में बारिश, गर्मी और ठंड का ट्रेंड है। इस बार भी ऐसा ही होने का अनुमान है। अक्टूबर की शुरुआत में ही मौसम साफ हो गया और धूप खिल गई। वहीं रात में ठंडक बढ़ी है। अगले 24 घंटों में बारिश होने का अनुमान नहीं है। दिन में धूप खिली रहेगी।

पोल हटे, पेड़ छंटे लेकिन लीकेज नहीं सुधरे

● नर्मदा पाइपलाइन के 6 लीकेज से सर्विस रोड का काम अटका

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। शहर में तीन पुलिया ओवरब्रिज के साथ बनाए जा रहे सर्विस रोड का निर्माण नर्मदा जलप्रदाय की पाइपलाइन में लीकेज के कारण अटक गया है। ओवरब्रिज के लिए बिजली के पोल शिफ्ट किए जा चुके हैं और पुलिस लाइन की जमीन भी सर्विस रोड के लिए उपलब्ध करा दी गई है। बड़े पेड़ों की छंटाई और नए पौधरोपण का काम भी हो चुका है। पुलिस लाइन का गेट तक तोड़ा जा चुका है, लेकिन पाइपलाइन से लगातार पानी रिसने के कारण सड़क का निर्माण आगे नहीं बढ़ पा रहा है।

190 मीटर लंबी और 7 मीटर चौड़ी बनेगी सड़क: सेतु विकास निगम के सब इंजीनियर प्रतीक मंडलोई ने बताया कि करीब 190 मीटर लंबी और 7 मीटर चौड़ी सर्विस रोड बनाई जानी है। इसके बनने से गणेश तलाई, खोड़िया हनुमान क्षेत्र और आसपास के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। अभी लोगों को करीब 1 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है, जिससे क्षेत्र की बड़ी आबादी प्रभावित हो रही है। नगर निगम के कार्यपालन

यंत्री राधेश्याम उपाध्याय ने बताया कि पाइपलाइन को शिफ्ट कर दिया गया है। कुछ जगह कनेक्शन हैं, जिन्हें सुधार दिया जाएगा।

6 जगह से पानी का रिसाव, सड़क की मजबूती पर चिंता: निर्माण एजेंसी के अनुसार सर्विस रोड के निर्माण वाले हिस्से में नर्मदा पाइपलाइन से करीब छह जगह पानी का रिसाव हो रहा है। लगातार पानी रिसने से सड़क की बेस और कांक्रीट की परत प्रभावित हो सकती है। इससे सड़क की मजबूती और उम्र पर असर पड़ने की आशंका है। इसी वजह से निर्माण कंपनी ने लीकेज ठीक होने तक कांक्रीट वर्क शुरू करने से इनकार किया है। कंपनी का कहना है कि पहले पाइपलाइन की समस्या का स्थायी समाधान जरूरी है। इसके बाद ही सड़क का काम तेजी से आगे बढ़ सकेगा।

● बिजली पोल शिफ्ट, पुलिस लाइन की जमीन भी मिली

तीन पुलिया फ्लाईओवर के सर्विस रोड के निर्माण में बिजली के पोल और पुलिस लाइन की जमीन बड़ी बाधाएं थीं। बिजली कंपनी पोल शिफ्टिंग का काम पूरा कर चुकी है। इससे सड़क निर्माण का रास्ता काफी हद तक साफ हो गया है। पुलिस लाइन के सामने सर्विस रोड के लिए पुलिस विभाग की जमीन भी निर्माण विभाग को उपलब्ध करा दी गई है। इसके लिए पुलिस लाइन का गेट तोड़ने का काम भी हो चुका है। सड़क निर्माण क्षेत्र में आने वाले बड़े पेड़ों की छंटाई की गई है और कुछ जगह नए पौधे भी लगाए गए हैं।

● मई में मिली जमीन, अब पाइपलाइन बनी अड़चन

तीन पुलिया फ्लाईओवर के सर्विस रोड के लिए पुलिस लाइन के पास की जमीन मई 2026 में निर्माण विभाग को लिखित रूप से उपलब्ध कराई गई थी। इसके बाद बिजली पोल शिफ्टिंग, पेड़ों की छंटाई और अन्य बाधाओं को दूर किया गया। अब मुख्य अड़चन नर्मदा पाइपलाइन का लीकेज है। निर्माण एजेंसी का कहना है कि पाइपलाइन का पानी पूरी तरह बंद हुए बिना सड़क का काम शुरू किया गया तो भविष्य में सड़क खराब होने का खतरा रहेगा। इसलिए पहले निगम को लीकेज ठीक करना होगा।

● रेलवे पोर्शन का काम भी धीमा

तीन पुलिया फ्लाईओवर का रेलवे पोर्शन भी धीमी गति से चल रहा है। रेलवे हिस्से में गर्डर का काम पूरा नहीं होने से पूरा प्रोजेक्ट तय गति से आगे नहीं बढ़ पा रहा है। फ्लाईओवर के लिए करीब 1296 मीटर लंबे हिस्से में तीन गुजों वाला निर्माण प्रस्तावित है। रेलवे हिस्से में काम के लिए अलग-अलग चरणों में डेडलाइन तय की गई थी, लेकिन समयसीमा आगे बढ़ती गई। अब सर्विस रोड से जुड़ी अन्य बाधाएं लगभग दूर हो चुकी हैं।

सीहोर में अवधपुरी पानी की टंकी के पास दिखा बाघ

खेत में मिले पगचिह्न और बैठने के निशान, वन विभाग की सर्चिंग जारी

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर शहर के रिहायशी इलाकों के पास मंगलवार सुबह बाघ की मौजूदगी से लोगों में दहशत फैल गई। अवधपुरी पानी की टंकी के पास सुबह बाघ दिखाई देने की सूचना मिली। इसके बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आसपास के इलाके में सर्चिंग शुरू कर दी। स्थानीय रहवासियों के मुताबिक, सुबह पानी की टंकी के पास बाघ को देखा गया था। सूचना मिलने पर वनकर्मियों ने आसपास के खेतों और झाड़ियों की जांच की। सुनेर भाई के खेत में बाघ के पगचिह्न और उसके बैठने के निशान मिले हैं। इसके बाद वन विभाग ने आसपास के क्षेत्र में कॉम्बिंग बढ़ा दी है।

खेतों और झाड़ियों में लगातार सर्चिंग: वनकर्मी लाठी-डंडों और जरूरी उपकरणों के साथ खेतों और झाड़ियों में बाघ की तलाश कर रहे हैं। वन विभाग का

प्रयास है कि बाघ की लोकेशन का पता लगाकर उसे सुरक्षित तरीके से जंगल की ओर भेजा जाए। बाघ की गतिविधि को देखते हुए आसपास की कॉलोनियों के रहवासियों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। लोगों से कहा गया है कि सुबह-शाम अकेले बाहर निकलने से बचें, बच्चों को घर से बाहर न भेजें और बाघ दिखाई देने या कोई संदिग्ध गतिविधि नजर आने पर तुरंत वन विभाग को सूचना दें।

एक सप्ताह से आसपास के इलाकों में मूवमेंट: सीहोर और आसपास के वन क्षेत्रों में पिछले कुछ दिनों से बाघ की गतिविधियां सामने आने की जानकारी है। इछावर मार्ग से लगे जंगलों के आसपास भी बाघ की आवाजाही देखे जाने की बात सामने आई थी। वहीं, रातापानी अभयारण्य से सटे बुधनी और शाहगंज क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में पिछले 4-5 दिनों में बाघ और तेंदुए के मूवमेंट की सूचनाएं मिली हैं। वन विभाग के मुताबिक, रिहायशी इलाके जंगलों से लगे होने के कारण कई बार वन्यजीव भोजन या दूसरे कारणों से आबादी की ओर आ जाते हैं। फिलहाल क्षेत्र में गश्त और कॉम्बिंग बढ़ाई गई है।

छतरपुर में बच्चे को बाइक ने मारी टक्कर

सिर में गंभीर चोट, पैर की हड्डी दो जगह से टूटी, भागने की कोशिश कर रहा आरोपी पकड़ाया

छतरपुर,एजेंसी। छतरपुर के ढिलापुर गांव में सोमवार शाम तेज रफ्तार बाइक ने 11 वर्षीय किशोर पारस प्रजापति को टक्कर मार दी। हादसे में पारस के सिर में गंभीर चोट आई है। उसके पैर की हड्डी दो जगह से टूट गई। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पारस किराना दुकान से सामान लेकर घर जा रहा था, तभी बाइक चालक ने उसे टक्कर मार दी। घायल किशोर का इलाज जारी बाइक चालक अपने साथ दो बच्चों को बैठाकर ले जा रहा था। हादसे के बाद वह भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन बाइक पर बैठे बच्चे भी घायल हो गए, जिससे वह पकड़ा गया। लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस को सौंपा।

पाइप में सांप समझकर खेत में मची हलचल

3 फीट की गोह थी, सुरक्षित निकाला, इटारसी के जंगल में छोड़ी गई

मीडिया ऑडीटर,इटारसी (निप्र)। इटारसी के ग्राम पांजरा कला में सोमवार दोपहर खेत में काम कर रहे मजदूरों में उस समय हड़कंप मच गया, जब उन्होंने एक पाइप के अंदर किसी जीव को घुसते देखा।

मजदूरों को लगा कि पाइप में कोई जहरीला सांप घुस गया है। खेत मालिक देवेंद्र चौरे तुरंत इसकी जानकारी वन विभाग को दी, जिसके बाद वन अमला और सर्पमित्रों की टीम मौके पर पहुंची। वन परिक्षेत्र अधिकारी अभिषेक शर्मा के मार्गदर्शन में वन्यजीव अभिरक्षक अभिजीत यादव, सर्पमित्र अभिषेक अहिरवार, दीपक पवार, गोलू यादव और शिवांगी चौधरी पांजरा कला पहुंचे। टीम ने सतर्कता बरतते हुए जब पाइप की जांच की, तो अंदर करीब 3 फीट लंबी मॉनिटर लिजर्ड (गोह) दिखाई दी।

गोह के विषैली न होने के कारण टीम और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

सुरक्षित तरीके से बाहर निकाली गई गोह: रेस्क्यू टीम ने बिना किसी नुकसान के गोह को पाइप से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। थोड़ी देर निगरानी में रखने के बाद उसे पास के जंगल में उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया।

वन विभाग के अफसरों ने बताया कि खेत में पड़ा पाइप गोह के लिए छुपने का ठिकाना बन गया था। ग्रामीणों ने हलचल देखकर सांप होने की आशंका जताई थी, लेकिन टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति साफ कर दी।

वन विभाग ने ग्रामीणों से की अपील: वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों से अपील की है कि अगर घर, खेत या आसपास कोई भी वन्यजीव या सांप दिखाई दे, तो उसे मारने या पकड़ने की कोशिश न करें।

अवैध मदिरा विक्रय के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई

नर्मदापुरम मीडिया ऑडीटर, (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम श्री सोमेश मिश्रा के निर्देश एवं मार्गदर्शन में जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में ग्रामीणों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर आबकारी विभाग द्वारा वृत्त सोहागपुर अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में कार्रवाई की गई। ग्राम जमुनिया, झालोंन, कामती, सारंगपुर, छेड़का, मढ़ाई, टेकापार एवं बंगाली सोहागपुर क्षेत्र में की गई कार्रवाई के दौरान अवैध मदिरा के विरुद्ध कुल 4 प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की संबंधित धाराओं के तहत कायम किए गए। कार्रवाई के दौरान आबकारी विभाग की टीम ने लगभग 120 किलोग्राम महुआ लाहन, 15 लीटर हाथभट्टी मदिरा एवं 8 पाव देशी प्लेन मदिरा जब्त की।

पिता के साथ ट्रैक्टर समेत कुएं में गिरे 2 बच्चे

खंडवा में 7 साल के बेटे की मौत, पिता और छोटे बेटे को मामूली चोट

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा के रोशनाई गांव में सोमवार शाम खेत जोतते समय ट्रैक्टर कुएं में पलट गया। ट्रैक्टर पर पिता सुरेश के साथ उनके दो बच्चे शुभम (7) और शिवम भी बैठे थे। हादसे में शुभम ट्रैक्टर के नीचे दब गया। पिता की आंखों के सामने उसकी मौत हो गई। शिवम ट्रैक्टर पलटने के दौरान जमीन पर गिर गया। सुरेश भी ट्रैक्टर के नीचे दबे थे, लेकिन किसी तरह बाहर निकल आए। पिता और छोटे बेटे को मामूली चोट आई है।

हरी घास में फिसला ट्रैक्टर: पदमनगर टीआई दिलीप देवड़ा के मुताबिक, सुरेश खेत मालिक के ट्रैक्टर से खंडवा निवासी किसान ओम के यहां काम कर रहा था। परिवार बच्चों के साथ खेत पर ही रहता है। सोमवार शाम वह दोनों बच्चों को ट्रैक्टर पर बैठाकर खेत जोत रहा था।

कुएं के पास नमी के कारण हरी घास उगी थी। इसी घास पर ट्रैक्टर का टायर फिसल गया। सुरेश ने ट्रैक्टर को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन वह कुएं में पलट गया। इसी दौरान शिवम जमीन किनारे पर गिर गया, सुरेश और शुभम ट्रैक्टर के साथ कुएं में अंदर गिर गए। ट्रैक्टर के नीचे दबने से शुभम की मौत हो गई।

क्रेन से निकाला ट्रैक्टर,नीचे मिला बच्चे का शव: घटना शाम करीब 6 बजे की है। सूचना मिलने पर पदमनगर पुलिस मौके पर पहुंची। क्रेन की मदद से ट्रैक्टर को कुएं से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शुभम का शव बरामद किया।

शुभम पहली कक्षा का छात्र था। बेटे की मौत से पिता सुरेश का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस तीनों पिता-पुत्र को जिला अस्पताल लेकर पहुंची। शुभम के शव को मॉर्चरी में रखवाया गया। सुरेश और शिवम का प्राथमिक इलाज किया गया।

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में होगी चीतों की शिटिंग

7 अटूबर को मुयमंत्री मुहली रेंज में बने बोमा में छोड़ेंगे 2 चीता, कूनो से लाए जाएंगे

सागर,एजेंसी। कूनो नेशनल पार्क और गांधी सागर के बाद मध्यप्रदेश में चीता पुनर्स्थापना परियोजना का विस्तार अब बुंदेलखंड तक होने जा रहा है। प्रदेश के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व (नौरादेही) में 7 अक्टूबर को दो चीते लाए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दोनों चीतों को सॉफ्ट रिलीज बोमा में छोड़ेंगे।

पहले चरण में कूनो नेशनल पार्क से नर चीता थोलो और मादा चीता CCB-3 को नौरादेही लाया जाएगा। चीता स्टीयरिंग कमेटी ने नौरादेही में कुल चार चीतों को बसाने की मंजूरी दी है।

439 हेक्टेयर में तैयार किया गया बोमा: चीतों को सीधे खुले जंगल में छोड़ने के बजाय शुरुआत में करीब 439 हेक्टेयर के सॉफ्ट रिलीज बोमा में रखा जाएगा। इसे पांच हिस्सों में तैयार किया गया है। चीतों की सुरक्षा के लिए पावर फेंसिंग और 24 घंटे निगरानी एवं ट्रैकिंग की व्यवस्था की गई है।

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व करीब 2,340 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और क्षेत्रफल के

लिहाज से मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है। यहां खुले जंगल और घास के मैदान चीतों के लिए अनुकूल माने जा रहे हैं।

रेलवे कार्य में श्रमिक की मौत से आक्रोश, मुआवजे की मांग को लेकर सड़क पर उतरे परिजन

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। रेलवे के काम के दौरान मंगलवार को श्रमिक इंद्रपाल साकेत की मौत के बाद परिजनों ने रात में रीवा-सतना मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। परिजनों ने मृतक के परिवार को 30 लाख रुपए मुआवजा देने और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की। चक्काजाम के कारण सड़क पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही। मृतक इंद्रपाल साकेत खेरी, थाना चोरहटा के निवासी थे। उनके बेटे कमल साकेत ने बताया कि करीब चार दिन पहले रेलवे ठेकेदार ने उनके पिता को काम के लिए बुलाया था। वे ठेकेदार के अधीन श्रमिक के रूप में कार्य कर रहे थे। इसी दौरान मशीन का झटका लगने से वे गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों का आरोप है कि हादसे के बाद उन्हें तत्काल सूचना नहीं दी गई। उनका कहना है कि इंद्रपाल की मौत के बाद भी अब तक शव उन्हें नहीं सौंपा गया है। इससे परिवार में आक्रोश है। परिजनों ने हादसे की जांच, जिम्मेदारी तय करने, 30 लाख रुपए मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की। एडिशनल एसपी भावना मरावी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कैंसर पीड़ित पति को झोली में लेकर कलेक्ट्रेट पहुंची पत्नी, बोली- अब कहां जाएं?

जनसुनवाई में छलका परिवार का दर्द: पुश्तैनी घर से निकालने, मारपीट और फर्जी एफआईआर का आरोप

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। मंगलवार की जनसुनवाई में उस समय माहौल भावुक हो गया, जब कैंसर से पीड़ित और चलने-फिरने में असमर्थ संदीप चतुर्वेदी को उनकी पत्नी राजकुमारी और परिवार के तीन सदस्य झोली में डालकर कलेक्ट्रेट लेकर पहुंचे। परिवार ने बड़े भाई के परिवार पर लगातार प्रताड़ित करने, मारपीट और फर्जी एफआईआर कराने का आरोप लगाते हुए प्रशासन से सुरक्षा की गुहार लगाई। राजकुमारी चतुर्वेदी ने बताया कि उनके जेठ की पत्नी और बच्चे लगातार परिवार को परेशान करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि संदीप के साथ मारपीट भी की गई। प्रताड़ना से परेशान होकर संदीप के एक बार छत से कूदने की बात भी पत्नी ने कही। परिवार का दावा है कि गुढ़ थाने में कई बार शिकायत करने के बावजूद विवाद और मारपीट नहीं रुकी। संदीप के मुताबिक महसांव में उनका पुश्तैनी मकान है। बड़े भाई का परिवार उन्हें घर से बाहर करना चाहता है। इसी को लेकर आए दिन विवाद होता है। परिवार का कहना है कि यदि उन्हें घर से निकाल दिया गया तो रहने के लिए कोई सुरक्षित जगह नहीं है। इसी परेशानी के चलते वे सामान लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। संदीप लंबे समय से कैंसर से पीड़ित हैं और खुद चलने में असमर्थ हैं। ऐसे में परिवार के सदस्यों को उन्हें झोली में उठाकर कलेक्ट्रेट के कक्ष तक ले जाना पड़ा। कलेक्ट्रेट में अधिकारियों ने संदीप और उनके परिवार से बातचीत की। उन्हें संबंधित थाने में शिकायत करने की बात कही गई। परिवार का कहना है कि गुढ़ थाने में पहले ही कई बार आवेदन दिए जा चुके हैं। कार्रवाई नहीं होने के कारण उन्हें जनसुनवाई में अपनी समस्या लेकर आना पड़ा। परिवार ने प्रशासन से सुरक्षा देने और पुश्तैनी मकान में रहने का अधिकार सुनिश्चित कराने की मांग की है।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला- रीवा (म.प्र.)

//निविदा सूचना//

क्रमांक-1096/ई-टेंडर/जोन-02, 04/न.पा.नि./2026 रीवा,दिनांक01-10-2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर क्रमांक एवं जारी दिनांक तथा NIT क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_540634_1 05.10.2026 [FIRST CALL] 1088/01.10.2026	जोन क्रमांक-02 अंतर्गत वार्ड क्रमांक-21 में खुशी किराना से शुक्ला जी के घर तक, साहू जी के घर से साहू पान भंडार तक एवं लखन ताम्रकार जी के घर से जय किराना स्टोर तक सड़क चौड़ीकरण एवं लखन ताम्रकार जी के घर से सुहागा स्टोर तक सड़क चौड़ीकरण का कार्य।	03 माह 22.89 लाख	5000.00 17168.00	04.11.2026 18:00 बजेतक
2.	2026_UAD_540635_1 05.10.2026 [FIRST CALL] 1089/01.10.2026	जोन क्रमांक-02 अंतर्गत वार्ड क्रमांक-29 में (1) रामपाल नामदेव जी के घर से महेश श्रीवास्तव जी के घर तक RCC नाली निर्माण का कार्य, (2) रामपाल नामदेव जी के घर से विनोद श्रीवास्तव जी के घर तक CC सड़क निर्माण का कार्य, (3) संतोष वर्मा जी के घर से रामलीला मैदान होते हुए संतोष शुक्ला जी के घर तक नाली कव्हर निर्माण का कार्य।	03 माह 12.28 लाख	2000.00 9210.00	04.11.2026 18:00 बजे तक।
3.	2026_UAD_540636_1 05.10.2026 [FIRST CALL] 1090/01.10.2026	जोन क्रमांक-04 अंतर्गत वार्ड क्रमांक-26, रामनिरंजन नगर में दुलाल पटेल जी के घर से पुष्पेन्द्र मिश्र जी के घर होते हुए रामनाथ सोनी जी के घर से प्रभाकर पाण्डेय जी के घर तक CC सड़क निर्माण का कार्य।	04 माह 37.63 लाख	5000.00 28223.00	04.11.2026 18:00 बजे तक।

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
(जोन क्रमांक-02, 04)
नगर पालिक निगम
रीवा (म.प्र.)

वैभव को अभी इंतजार करना होगा : गंभीर

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है अभी टीम में सभी खिलाड़ी लगातार अच्छा खेल रहे हैं। इसलिए किसी प्रकार का कोई बदलाव नहीं किया जा सकता। ऐसे में उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को टीम में जगह के लिए अभी इंतजार करना होगा। गंभीर ने कहा कि उन्होंने 15 वर्षीय इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी को समझाया है कि शानदार प्रदर्शन के बावजूद कभी-कभी खिलाड़ी को अपने अवसर के लिए संयम से इंतजार करना पड़ता है। गंभीर का यह बयान ऐसे समय आया है जब वैभव को हाल में घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाने के बाद भी टीम में जगह नहीं मिल रही है। इसी साल जुलाई में, वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करते हुए 15 साल और 99 दिन की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय का खिताब अपने नाम किया। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने सचिन तेंदुलकर के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया था। इसके तुरंत बाद, जिम्बाब्वे के खिलाफ 15 साल और 118 दिन की उम्र में उन्होंने पुरुषों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अर्धशतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनकर एक और कीर्तिमान स्थापित किया। हालांकि, इन शानदार प्रदर्शनों के बावजूद, उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ पूरी सीरीज और एशियाई खेलों से पहले जापान के खिलाफ खेले गए एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय में भी जगह नहीं मिली। वैभव ने श्रीलंका के खिलाफ एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में भारत की अंतिम ग्यारह में वापसी की, जहां उन्होंने 21 गेंदों पर 38 रन बनाकर मैच में अहम भूमिका निभाई थी। गंभीर ने कहा, यह मेरे लिए भी एक नया अनुभव था। हां, वह अच्छी फॉर्म में थे, लेकिन मैंने उन्हें समझाया कि कभी-कभी, उन खिलाड़ियों की वजह से जिन्होंने लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्हें अपने मौके का इंतजार करना पड़ सकता है। गंभीर ने इस बात पर जोर दिया कि प्लेइंग इलेवन का चयन सोशल मीडिया या बाहरी चर्चाओं से तय नहीं होता। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह इस बात पर निर्भर करता है कि ड्रेसिंग रूम का समीकरण कैसा है, कौन सा खिलाड़ी कोच और कप्तान को मैच जिताने की क्षमता रखता है, तथा टीम की सबसे मजबूत अंतिम ग्यार ह क्या है। इसके साथ ही, उन खिलाड़ियों की निरंतरता भी महत्वपूर्ण होती है जिन्होंने लंबे समय तक बेहतर प्रदर्शन किया है। भारतीय मुख्य कोच ने आगे स्पष्ट किया कि टीम संयोजन में अचानक बदलाव क्यों नहीं किए जा सकते। उन्होंने कहा, अगर आज हम वैभव को मौका देते हैं, तो मेरे और टीम से बाहर होने वाले खिलाड़ी- चाहे वह अभिषेक हों या संजू सैमसन के बीच बातचीत काफी मुश्किल होगी। गंभीर ने बताया कि पिछले डेढ़-दो साल में शानदार प्रदर्शन करने वाले टीम संयोजन को अचानक नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

बोपन्ना, बुरुचागा, हिजिकाता मार्की लाइन-अप में शामिल

मुंबइ,एजेंसी। टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और इंटरनेशनल स्टार रोमन बुरुचागा, रिंकी हिजिकाता और टेरेंस एटमाने टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) के आठवें सीजन के मार्की प्लेयर लाइन-अप में शामिल होंगे। नीलामी 12 अक्टूबर को मुंबई में होगी। आठ फ्रेंचाइजी नीलामी में अपने-अपने मार्की प्लेयर्स के आस-पास अपनी टीम बनाएंगी। बोपन्ना, जो गुड़गांव ग्रैंड स्लैमर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे, मार्की लाइन-अप को लीड करेंगे। 46 साल के पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 पुरुष डबल्स में दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं। बोपन्ना ने 2017 फ्रेंच ओपन मिक्स्ड डबल्स टाइटल और 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष डबल्स का खिताब जीता है। पद्मश्री और अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित बोपन्ना ने कहा, 'मैं टीपीएल में वापस आने का सच में इंतजार कर रहा हूं। हर साल, लीग और मजबूत होती जा रही है, और मुझे टीम का माहौल और इस फॉर्मेट से मिलने वाली ऊर्जा बहुत पसंद है।'

उन्होंने कहा, 'इस साल, कॉम्पिटिशन बहुत कड़ा होगा, जिसमें अनुभवी खिलाड़ियों और युवा भारतीय टैलेंट का शानदार मिश्रण होगा। हैदराबाद का टेनिस के साथ हमेशा से एक मजबूत कनेक्शन रहा है, इसलिए मुझे यकीन है कि माहौल इसे और भी खास बना देगा। मैं कॉम्पिटिशन करने, अनुभव का आनंद लेने और कोर्ट पर वापस आने के लिए उत्साहित हूं।'

अर्जेंटीना के रोमन बुरुचागा, जो कोलकाता थंडर ब्लेड्स के लिए खेलेंगे, इंटरनेशनल मार्की टीम के एकल खिलाड़ियों में सबसे ऊंची रैंक वाले खिलाड़ी हैं। 24 साल के इस खिलाड़ी की अभी वर्ल्ड रैंकिंग में 60वीं रैंक है। वह इस साल की शुरुआत में अपने करियर की सबसे ऊंची रैंकिंग 56वें स्थान पर पहुंचे थे।

हरमनप्रीत कौर ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ी

● कहा—बतौर खिलाड़ी सफर जारी रहेगा

नई दिल्ली,एजेंसी। अपनी कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम को वनडे विश्व कप 2025 का चैंपियन बनाने वाली हरमनप्रीत कौर ने कप्तानी छोड़ दी है। मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक लंबे पोस्ट के माध्यम से हरमन ने टीम की कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया। बतौर खिलाड़ी वह उपलब्ध रहेंगी। हरमनप्रीत कौर ने कप्तानी छोड़ने का फैसला उपकप्तान स्मृति मंधाना, हेड कोच अमोल मजूमदार और बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के साथ हुई बैठक के बाद लिया। स्मृति मंधाना तीनों फॉर्मेट में हरमनप्रीत की जगह महिला टीम की नई कप्तान बन सकती हैं। हरमनप्रीत ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'आज, मैं सभी फॉर्मेट में इंडियन विमेंस क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ रही हूं। यह कोई आसान फैसला नहीं है। इसमें वर्षों की यादें, भावनाएं, त्याग और ऐसे पल हैं, जो मेरी बाकी जिंदगी मेरे साथ रहेंगे।' उन्होंने लिखा, 'मैंने इस टीम और इंडियन विमेंस क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया है – अपना खून, अपना पसीना, अपना समय, और कई बार, अपने खेल और पर्सनल एम्बिशन का एक हिस्सा। ऐसे पल भी आए, जब मुझे अपने निजी प्रदर्शन, अपना विकास और अपने लिए जो मैं चाहती थी, उसे एक तरफ रखना पड़ा, क्योंकि मेरा मानना था कि टीम को पहले रखना चाहिए।' हरमन ने लिखा, 'एक कप्तान के तौर पर, मुझे मुश्किल फैसले लेने पड़े हैं। ऐसे फैसले जो हमेशा समझ में नहीं आते थे, हमेशा आसान नहीं होते थे, और कभी-कभी पर्सनल कीमत चुकानी पड़ती थी। लेकिन मैंने जो भी फैसला लिया, उसका मकसद– इस टीम को बेहतर बनाना और दूसरे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने, खुद पर विश्वास करने और खुद का बेस्ट वर्जन बनने का मौका देना था।' दिग्गज खिलाड़ी ने लिखा, 'मैंने सब कुछ देखा है। मैंने सबसे बुरे पल, दिल टूटना, बुराई, शक और वे दिन देखे हैं, जब कुछ भी हमारे हिसाब से नहीं होता था। और मैंने सबसे ऊँचे मुकाम भी देखे हैं–जीत, जश्न, अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का गर्व, और वे पल जब हर कुर्बानी सार्थक लगी। आज मैं भावनाओं से भरे दिल के साथ, लेकिन शांति के साथ कप्तानी छोड़ रही हूं।

फ्रांस ने बेल्जियम को 4-1 से हराया, ग्रुप में टॉप पर पहुंची

पेरिस,एजेंसी। जिनेदिन जिदान की फ्रांस ने अपने मैराथन इंटरनेशनल ब्रेक का अंत स्टेड डी फ्रांस में बेल्जियम के खिलाफ 4-1 की जीत के साथ किया। जीत के साथ नेशंस लीग ग्रुप में टॉप पर पहुंच गई। फ्रांस ने दूसरे हाफ के 14 मिनट में चार गोल किए और मुकाबले में एक गोल से पिछड़ने के बाद भी 4-1 से बड़ी जीत की। बेल्जियम के लिए डोडी ल्यूकेबाकियो ने पहला गोल करके टीम को बढ़त दिलाई थी। ब्रेक के बाद जिदान ने अपनी स्टार खिलाड़ियों वाली बेंच का इस्तेमाल किया और अपनी टीम को टॉप गियर में देखा, जब डिजायर डू और रेयान चेर्की ने तेजी से दो गोल करके मैच का रुख बदल दिया। माइकल ओलिस ने फिर देर से दो और गोल किए, जिससे फ्रांस ने ग्रुप ए1 में अपना बिना हारे रहने का रिकॉर्ड बनाए रखा।

35वें मिनट में अपने ही हाफ में मिडफील्ड में अकेले, रोमियो लाविया ने डोडी ल्यूकेबाकियो को एक थ्रू बॉल दी। फ्रेंच डिफेंस हैरान रह गया, और बेल्जियम के विंगर ने गिलौम रेस्टेस के साथ वन-ऑन-वन ??मुकाबला किया, जिसने फ्रेंच गोलकीपर के नेट के ऊपरी दाएं कोने में बॉल भेजकर जीत हासिल की।

77वें मिनट में, लुकास दा कुन्हा ने सेंटर में डू को पास दिया। पेरिस के इस खिलाड़ी ने मुड़कर अपने बाएं पैर पर खड़े होकर एक नीचा, एंगल्ड शॉट मारा और साइड नेटिंग में गेंद डाल दी, जबकि उनके सामने

बेल्जियम के कई खिलाड़ी थे, जिससे स्कोर 1-1 हो गया। इसके बाद माइकल ओलिस ने जोकिन सेयस को पीछे छोड़ते हुए अंदर की ओर कट किया, पेनल्टी एरिया में घुसे, और रेयान चेर्की के लिए लो बैक क्रॉस किया, जिन्होंने अपने बाएं पैर से गोल किया। बेल्जियम के गोलकीपर को गेंद मिली, लेकिन वह बॉल को गोल पोस्ट में जाने से नहीं रोक सके, जिससे फ्रांस ने 2-1 की बढ़त बना ली।

इसके बाद ओलिस ने डू के दो असिस्ट से तेजी से दो गोल (88वें मिनट और 90+1 मिनट) करके स्टेड डी फ्रांस में जोश भर दिया। चौदह मिनट में, तीन सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों ने बेल्जियम को मुश्किल में डाल दिया।

फ्रांस का अगला मैच नवंबर में है। 12 नवंबर को फ्रांस का मुकाबला इटली के खिलाफ है। इसके बाद टीम 15 नवंबर को तुर्किए के खिलाफ खेलेगी।

त्रिकोणीय सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीम में फर्नांडो, अराचिगे की वापसी

कोलंबो,एजेंसी। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ 18 अक्टूबर से होने वाली त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषणा कर दी है। इस टीम में कुछ बदलाव भी किये गये हैं। इसी के तहत ही टीम में अविष्का फर्नांडो सहित कुछ खिलाड़ियों की वापसी भी हुई है। अनुभवी बल्लेबाज फर्नांडो को करीब दो साल बाद टीम में जगह मिली है। इससे इनके प्रशंसक उत्साहित हैं। दिग्गज ऑलराउंडर सहान अराचिगे को भी टीम में जगह मिली है, जिन्हें पिछले साल के बाद पहली बार श्रीलंकाई एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। सहान अराचिगे को चोटिल वानिंदु हसरंगा की जगह टीम में शामिल किया गया है जबकि अविष्का फर्नांडो की वापसी युवा बल्लेबाज चरित असलंका के स्थान पर हुई है। असलंका का राष्ट्रीय टीम में वापसी का सफर बेहद छोटा रहा, क्योंकि उन्हें न केवल इस त्रिकोणीय सीरीज से नहीं बाहर किया गया है, बल्कि इससे ठीक पहले पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज से भी हटा दिया गया था। असलंका के बाहर होने के बाद, एकदिवसीय टीम के लिए फिलहाल किसी उप-कप्तान की घोषणा नहीं की गई है,जिससे टीम की नेतृत्व संरचना में एक कमी बनी हुई है। फर्नांडो की वापसी उनके घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन के कारण हुई है। उन्होंने हाल के दिनों में अपने पिछले तीन लिस्ट-ए मैचों में दो शतक लगाये हैं, जिसमें उनका करियर-सर्वश्रेष्ठ 160 रन का स्कोर भी शामिल है। वह वर्तमान में श्रीलंका के मेजर क्लब्स लिमिटेड ओवर टूर्नामेंट में 63.85 के उत्कृष्ट औसत से 447 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर हैं। अविष्का अपनी बाउंड्री लगाने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं और वे श्रीलंका के टॉप-ऑर्डर में सबसे सक्षम विकल्प प्रदान करते हैं, खासकर पावरप्ले में तेजी से रन बनाने के लिए। हालांकि, उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने के लिए पाथुम निसंका, कप्तान कुसल मेंडिस और कामिल मिशारा जैसे अन्य मजबूत टॉप-ऑर्डर बल्लेबाजों से प्रतिस्पर्धा करनी होगी, जो टीम प्रबंधन के लिए एक दिलचस्प चुनौती होगी। वहीं गेंदबाजी आक्रमण की बात करें तो, श्रीलंका ने इस त्रिकोणीय सीरीज के लिए चार प्रमुख तेज गेंदबाजों - दुष्मंथा चमीरा, असिथा फर्नांडो, ईशान मलिंगा और दिलशान मदुशंका - पर अपना भरोसा बनाए रखा है। स्पिन विभाग में, महीश थीक्षणा, सचिंदु कोलंबेज और दुनिथ वेल्लालागे आक्रमण की कमान संभालेंगे, जो विभिन्न परिस्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ यह महत्वपूर्ण त्रिकोणीय सीरीज 18 अक्टूबर से शुरू होगी।

इंजीनियरिंग छोड़कर लिया क्रिकेटर बनने का फैसला

विश्व कप 2011 की खिताबी जीत का अहम चेहरा रहे

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाजी में नई जान फूंकने और वनडे विश्व कप 2011 में भारत को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले जहीर खान बुधवार को 48 वर्ष के हो चुके हैं। एक क्रिकेटर के तौर पर शुरू हुआ जहीर का करियर अब बदल चुका है, लेकिन एक तेज गेंदबाज के तौर पर उनका प्रभाव आज भी बरकरार है। 8 अक्टूबर 1978 को महाराष्ट्र के श्रीरामपुर में जन्मे जहीर का ताल्लुक एक साधारण परिवार से रहा है। जहीर शुरुआत में इंजीनियरिंग करना चाहते थे और उन्होंने कॉलेज में अपना नामांकन करा भी लिया था, लेकिन इंजीनियरिंग के साथ क्रिकेट खेलना उन्होंने जारी रखा था। मुंबई के लिए स्थानीय क्रिकेट खेलते हुए जहीर पर कोच नाइक की नजर पड़ी। नाइक, जहीर की प्रतिभा से प्रभावित हुए और उन्हें इंजीनियरिंग की जगह क्रिकेट पर फोकस करने की सलाह दी। इस सलाह ने सिर्फ जहीर की जिंदगी नहीं बदली, बल्कि भारतीय क्रिकेट को एक ऐसा तेज गेंदबाज दिया, जिसे देखकर युवा खिलाड़ी प्रेरित होते हैं।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जहीर खान की गेंदबाजी विविधताओं से भरी है। उनके पास स्विंग, यॉर्कर, बाउंसर के साथ स्लोअर गेंद फेंकने की अद्भुत क्षमता थी, जिससे विपक्षी बल्लेबाज हमेशा खौफ में रहते थे। मुंबई और बड़ौदा के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले जहीर ने 2000 में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी। 2014 में खेले अपने आखिरी मैच तक तीनों फॉर्मेट में वह भारतीय गेंदबाजी आक्रमण का प्रमुख चेहरा रहे। चोटों से प्रभावित रहे करियर में जहीर ने भारत के लिए 92 टेस्ट, 200 वनडे और 17 टी20 मैच खेले। टेस्ट में उनके नाम 311, वनडे में 282 और टी20 में 17 विकेट रहे।

जहीर खान का भारत को वनडे विश्व कप में चैंपियन बनाने में अहम योगदान रहा था। वह टूर्नामेंट में भारत के सफलतम गेंदबाज थे और शाहिद अफरीदी के साथ संयुक्त रूप से पहले नंबर पर थे। जहीर ने 9 मैचों में 21 विकेट लेकर भारतीय टीम को दूसरी बार वनडे क्रिकेट का चैंपियन बनाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। अमूमन बाएं हाथ के गेंदबाज बाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए मुश्किल खड़ी नहीं कर पाते, लेकिन जहीर ने अपने जमाने के दिग्गज बाएं हाथ के बल्लेबाजों को कई बार आउट किया। इसमें सनथ जयसूर्या, कुमार संगाकारा, ग्रीम स्मिथ, हेडन जैसे दिग्गज बल्लेबाज शामिल थे। उन्होंने 100 आईपीएल मैचों में उन्होंने 102 विकेट लिए। जहीर ने अक्टूबर 2015 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। 2020 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया।

संन्यास के बाद वह आईपीएल में मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ अलग-अलग भूमिकाओं में जुड़े रहे हैं।

इटली ने तुर्किये को 3-1 से हराया

बोलोग्ना,एजेंसी। रॉबर्टो मैनसिनी ने इटली के मैनेजर के तौर पर लौटने के बाद घरेलू मैदान पर पहली जीत हासिल की। इटली ने तुर्किये को 3-1 से हराया। इस जीत के साथ इटली नेशंस लीग ग्रुप ए1 में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। जियानलुका स्कामाका के पहले गोल ने इंटरवल में अंतर पैदा किया, लेकिन अराल शिमसिर ने रीस्टार्ट के बाद तुर्किये को बराबरी पर ला दिया। हालांकि, बराबरी ज्यादा देर तक नहीं रही, क्योंकि रिकार्डो कैलाफियोरी ने बेंच से आकर अपनी टीम को फिर से आगे कर दिया, इससे पहले पियो एस्पोसिटो ने आखिरी स्टेज में जीत पक्की कर दी। कई बार बाहर रहने के बावजूद, तुर्किये के खिलाफ 3-1 की जीत से यह पक्का हो गया है कि इटली को यूरोपियन चैंपियनशिप क्वालीफाइंग ड्रॉ में सीड मिलेगी, और सबसे बढ़कर, नेशंस लीग क्वार्टर फाइनल की दौड़ में बने रहने की कोशिश करेगी। इटली के लिए स्कैमाका ने तीन साल बाद गोल किया था। पहले हाफ में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाने के बाद इटली ने सिमसिर के बराबरी के गोल के बाद जोरदार जवाब दिया, जिसकी वजह से रिकार्डो कैलाफियोरी और हमेशा की तरह पियो एस्पोसिटो के गोल हुए। स्कैमाका का शॉट निशाने से हटने के बाद, पहला बचाव डोनारुम्मा ने किया, जो कबाक के लंबी दूरी के शॉट को कॉर्नर में डिफ्लेक्ट करने

● क्वार्टर फाइनल की रेस में शामिल

के लिए आगे बढ़ा और फिर अकगुन के हेडर को ब्लॉक कर दिया, जिसे डिफेंस ने गंवा दिया। इटली ने पहले हाफ में अपना पहला और एकमात्र असली मौका तब बनाया जब डि लोरेंजो का क्रॉस स्कैमाका के हेडर पर गिरा, जो सेलिक की पीठ पर लगा। अटलांटा के स्ट्राइकर ने जल्दी से कबाक को पीछे छोड़ा और दाहिने पैर से एक जोरदार स्ट्राइक किया जो क्रॉसबार के नीचे से निकल गया।

डि लोरेंजो और डोनारुम्मा के बीच हुई गलतफहमी इटली को भारी पड़ सकती थी, लेकिन सिमसिर ने इसका फायदा नहीं उठाया।

प्रशंसक की आंख में शॉट लगाने से मेदवेदेव हुए अयोग्य, जोकोविच फाइनल में पहुंचे

बीजिंग,एजेंसी। यहां खेले गये चीन ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में रूसी टेनिस खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव का एक शॉट सीधे एक प्रशंसक की आंख में लगने से अयोग्य होकर बाहर हो गये। इससे सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच सीधे टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गए। यह घटना जब हुई तब मेदवेदेव सर्बियाई खिलाड़ी जोकोविच से 7-5, 5-3 से पीछे चल रहे थे। रूसी खिलाड़ी ने गुस्से में एक शॉट मारा जो सीधे स्टैंड्स में बैठे एक दर्शक की आंख में लग गया। इस अप्रत्याशित हादसे से सभी लोग सकते में पड़ गये। ये हादसा तब हुआ जब मेदवेदेव एक अंक हारने से निराशा थे। उन्होंने बैकबोर्ड से टकराकर वापस आ रही गेंद पर इतनी तेजी से शॉट लगाया कि गेंद सामने बैठे एक दर्शक की बाईं आंख में जा लगी। दर्शक तुरंत अपनी आंख पकड़कर दर्द से कराह उठा, जिससे खेल कुछ समय के लिए रुक गया। घायल दर्शक को तुरंत स्टेडियम कर्मचारियों की मदद से उपचार के लिए बाहर ले जाया गया। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, अंपायर मोहम्मद लाहयानी और एटीपी अधिकारियों ने मेदवेदेव को मैच से आगे खेलने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया। मेदवेदेव ने घटना के बाद नेट के पास आकर जोकोविच से हाथ मिलाया और कहा कि उन्हें इस घटना का बेहद दुख है और वह दर्शक से भी माफी मांगना चाहते हैं। वहीं जोकोविच ने इस घटना पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए मेदवेदेव के प्रति सहानुभूति जताई। साथ ही कहा कि साल 2020 यूएस ओपन में उन्हें भी इसी तरह एक लाइन जज को अनजाने में गेंद लगने के कारण अयोग्य घोषित किया गया था। जोकोविच ने कहा, मुझे उम्मीद है कि उस व्यक्ति को ज्यादा चोट नहीं आई होगी। दूसरी ओर मुझे डेनिलमेदवेदेव के लिए भी बुरा लग रहा है क्योंकि मैं अच्छी तरह जानता हूं कि किसी बड़े मैच में अयोग्य घोषित होने पर कैसा महसूस होता है। मुझे भरोसा है कि उसने जानबूझकर ऐसा नहीं किया होगा। इस अयोग्य ठहराए जाने के कारण, मेदवेदेव को

चीन ओपन टेनिस टूर्नामेंट

न केवल फाइनल में जगह बनाने का मौका गंवाना पड़ा, बल्कि उन्हें सेमीफाइनल तक पहुंचने से मिले अपने सभी रैंकिंग अंक और इनामी राशि भी खोनी पड़ेगी।

नक्सलवाद के लंबे और काले दौर से निकलकर शांति, सुरक्षा और समृद्धि की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा बस्तर - उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि बस्तर अंचल नक्सलवाद के लंबे और काले दौर से निकलकर अब शांति, सुरक्षा और समृद्धि की नई राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। कभी हिंसा और भय से प्रभावित रहे क्षेत्रों में आज शासन की योजनाएं और सेवाएं पहुंच रही हैं। विकास के साथ लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का नया वातावरण बन रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा आज जगदलपुर के पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागार टाउन हॉल में आयोजित जिला स्तरीय सेवा संकल्प शिविर में शामिल हुए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा एक ही स्थान पर नागरिकों की समस्याओं का निराकरण करने के साथ पात्र हितग्राहियों को वित्तीय सहायता, अधिकार अभिलेख, प्रमाण पत्र और विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। हिंसा के जख्मों पर सेवा और संवेदना का मरहम शिविर को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि मां दंतेश्वरी की कृपा और शासन-प्रशासन के साझा प्रयासों से बस्तर में माओवादी हिंसा समाप्ति की ओर है। क्षेत्र में अब

भय के स्थान पर विश्वास और हिंसा के स्थान पर विकास एवं सेवा का नया सवेरा दिखाई दे रहा है। उन्होंने नक्सली हिंसा और आईईडी विस्फोटों से प्रभावित आम नागरिकों एवं सुरक्षा जवानों के पुनर्वास का उल्लेख करते हुए कहा कि तीन दिवसीय विशेष शिविर के माध्यम से पीड़ितों और दिव्यांगजनों को उच्च गुणवत्ता वाले कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण शत-प्रतिशत निःशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने इस पहल से जुड़े एक भावुक प्रसंग का उल्लेख करते हुए बताया कि कृत्रिम हाथ लगने के बाद एक हितग्राही ने उसी हाथ से पानी की बोतल उठाकर पानी पिया। वर्षों बाद अपने हाथ से सामान्य काम कर पाने की यह खुशी बताती है कि ऐसी पहल किसी व्यक्ति के जीवन में कितना बड़ा बदलाव ला सकती है।

एक ही छत के नीचे मिला योजनाओं का लाभः जिला स्तरीय सेवा संकल्प शिविर में विभिन्न विभागों ने मौके पर ही पात्र हितग्राहियों को योजनाओं और सेवाओं का लाभ प्रदान किया। राजस्व विभाग द्वारा आपदा प्रबंधन के अंतर्गत पांच बाढ़ प्रभावितों को कुल 6 लाख 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इसके साथ ही 35 हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख वितरित किए गए। श्रम विभाग द्वारा मिनीमाता महतारी जतन योजना के अंतर्गत एक हितग्राही को 20 हजार रुपए तथा मुख्यमंत्री मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के तहत एक पात्र हितग्राही को एक लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। कृषि विभाग ने पांच किसानों को फसल बीमा प्रमाण पत्र और मत्स्य पालन विभाग ने तीन मत्स्य पालकों को जाल वितरित किए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के वय वंदन कार्ड और पात्र नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। शिविर में 12 नागरिकों के आधार विवरण का अद्यतन करने के साथ जन्म एवं मृत्यु पंजीयन से संबंधित आवेदन भी लिए गए। बस्तर में विकास की नई तस्वीर - सांसद श्री महेश कश्यप बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों तथा आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उठाए गए कदमों का सकारात्मक प्रभाव बस्तर में दिखाई दे रहा है। दशकों तक उग्रवाद के कारण बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहे क्षेत्रों में अब सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण व्यवस्था, निःशुल्क राशन, पक्के आवास, शौचालय सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से सीधे पात्र हितग्राहियों तक पहुंच रहा है। सेवा संकल्प शिविर के माध्यम से एक ही परिसर में विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध होने से नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर लगाने के बजाय मौके पर ही समस्याओं के समाधान और योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 का कमाल एक फोन कॉल से जशपुर के तपकरा में बहाल हुई जलापूर्ति

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। आम नागरिकों की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुँचाने और उनके त्वरित निराकरण में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 एक बेहद प्रभावी और सशक्त माध्यम साबित हो रही है। इस हेल्पलाइन के जरिए दर्ज होने वाली शिकायतों पर संबंधित विभागों द्वारा तुरंत कार्रवाई की जा रही है, जिसका एक ताज़ा और बेहतरीन उदाहरण जशपुर जिले के फरसाबहार विकासखंड अंतर्गत ग्राम तपकरा में देखने को मिला है।

क्या थी समस्याः ग्राम तपकरा निवासी श्री ओम प्रकाश ने गत 26 अगस्त 2026 को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 पर गांव में पेयजल आपूर्ति बाधित होने की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि पिछले करीब 15 दिनों से गांव में पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। मोटर और पाइपलाइन में खराबी आ जाने के कारण जलापूर्ति पूरी तरह ठप थी, जिससे लगभग 200 घर-परिवारों को भारी पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा था। त्वरित कार्रवाई और समाधान हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज होने के बाद मामले को तुरंत संबंधित विभाग और स्थानीय अमले के संज्ञान में लाया गया। त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम तपकरा में संचालित रेट्रो जल प्रदाय योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत द्वारा तुरंत नया मोटर स्थापित किया गया। नया मोटर लगते ही गांव में पेयजल आपूर्ति सुचारू रूप से पुनः बहाल हो गई, जिससे लंबे समय से पानी की किल्लत झेल रहे करीब 200 परिवारों को बड़ी राहत मिली है।

महतारी वंदन योजना की राशि से निकेश्वरी ने खरीदी सिलाई मशीन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव सामने आ रहे हैं। इसी तारतम्य में निकेश्वरी चंद्राकर की कहानी आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ते कदमों की प्रेरक मिसाल है। महतारी वंदन योजना के तहत निकेश्वरी चंद्राकर को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त होती है। उन्होंने योजना से मिलने वाली राशि का समझदारी से उपयोग करते हुए नियमित बचत की। इसी बचत से उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी और अब सिलाई के कार्य को अपनी आजीविका से जोड़कर आगे बढ़ रही हैं। निकेश्वरी के लिए सिलाई मशीन खरीदना आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। घर से ही सिलाई का कार्य शुरू कर वे अपनी आय का साधन विकसित कर रही हैं। योजना से मिलने वाली नियमित सहायता राशि ने उन्हें अपनी आवश्यकता के अनुसार बचत करने और अपने हुनर को स्वरोजगार से जोड़ने का अवसर दिया है। निकेश्वरी बताती हैं कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि उनके लिए आर्थिक संबल का माध्यम बनी है। इस राशि को बचाकर उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी, जिससे अब वे स्वयं काम कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की दिशा में शनैः-शनैः आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाली महतारी वंदन योजना के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। निकेश्वरी की यह पहल योजनाओं से मिलने वाली सहायता का सदुपयोग कर महिलाएं अपने हुनर और मेहनत के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ज्वलंत मिसाल है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से बदली श्रीमती लीलावती और जगमोहन की जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कोरिया जिले के जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत उमझर निवासी श्रीमती लीलावत्ती और उनके पति जगमोहन की दैनिक जीवन शैली एक सामान्य किसान परिवार के धैर्य के साथ जारी संघर्ष और उम्मीद की सफलता की एक जीवंत मिसाल है। आज से कुछ समय पूर्व तक उनका जीवन अभावों से घिरा हुआ था। वे एक साधारण किसान और दिहाड़ी मजदूर हैं। मेहनत ही उनकी पूंजी है और दैनिक मजदूरी ही परिवार के भरण-पोषण का एकमात्र साधन भी है। इस तरह की परिस्थितियों के बीच पक्के मकान का सपना उनके लिए सपने जैसा ही था। यह परिवार जिस पुराने कच्चे मकान में निवास करता था उसकी हालत भी उनकी आर्थिक स्थिति की तरह जर्जर हो चुकी थी। बरसात का मौसम आते ही उनके परिवार पर चिंता के बादल मंडराने लगते थे।

उद्यानिकी फसल से तामेश्वर वर्मा की आय में हुई बढ़ोतरी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासन की योजनाओं से किसानों के जीवन में आ रहे सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। इसी कड़ी में खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के ग्राम विचारपुर, विकासखंड खैरागढ़ निवासी श्री तामेश्वर वर्मा उन्नत उद्यानिकी खेती और शासकीय सहायता से बढ़ती आय की मिसाल बन गए हैं। पहले वे मुख्य रूप से धान की खेती करते थे। सीमित आय के कारण फसल में गुणवत्तापूर्ण खाद, दवाइयों और आवश्यक कृषि संसाधनों का उपयोग करना कठिन था, जिससे उत्पादन और आमदनी प्रभावित होती थी। उद्यानिकी विभाग से मिली जानकारी के अनुसार उन्होंने पारंपरिक खेती के साथ उद्यानिकी फसल को अपनाने का निर्णय लिया। वर्ष 2025-26 में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत उन्हें ग्राफ्टेड बैंगन उत्पादन के लिए 75 प्रतिशत अनुदान का लाभ मिला। योजना के सहयोग से उन्होंने उन्नत तकनीक के साथ बैंगन की खेती शुरू की, जिससे उत्पादन और आय में वृद्धि हुई। ग्राफ्टेड बैंगन से लगभग 25 से 40 टन प्रति हेक्टेयर उत्पादन तथा करीब 5 से 6 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर तक लाभ प्राप्त होने से उनकी खेती अधिक फायदेमंद हुई। योजना से पहले जहां उनकी अनुमानित आय करीब 10 हजार रुपये प्रतिमाह थी, वहीं वर्तमान में यह बढ़कर लगभग 20 हजार रुपये प्रतिमाह हो गई है। बढ़ी हुई आय से वे खेती में आवश्यक खाद-दवाइयों एवं अन्य संसाधनों का बेहतर उपयोग कर पा रहे हैं। हितग्राही श्री वर्मा ने बताया कि उद्यानिकी फसल अपनाने से उनकी खेती में सकारात्मक बदलाव आया है और परिवार की आर्थिक स्थिति में भी सुधार हुआ है।

घर बैठे वाहन संबंधी आवश्यक कार्य पूर्ण करने की मिलेगी सुविधा - मंत्री केदार कश्यप

जिले में अत्याधुनिक वाहन टेस्टिंग की सुविधा जल्द प्रारंभ होगी - मंत्री टंक राम वर्मा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम बढ़ाते हुए परिवहन मंत्री श्री केदार कश्यप ने सोमवार को बलौदाबाजार के ग्राम पंचायत परसाभदेर में नवनिर्मित जिला परिवहन कार्यालय भवन का विधिवत लोकार्पण किया। राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण को नया आयाम देने के उद्देश्य से सोनबरसा जंगल सफारी के लिए 4 नई जिप्सियों और परिसर के सौंदर्यीकरण तथा अधोसंरचना विकास कार्यों के लिए 1.5 करोड़ रुपये की स्वीकृति भी प्रदान की गई। लोकार्पण के पश्चात मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने सर्वसुविधायुक्त नवनिर्मित जिला परिवहन कार्यालय भवन के विभिन्न कक्षों का अवलोकन किया। मंत्रीद्वय ने भवन की उच्च गुणवत्तापूर्ण निर्माण शैली की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए अधिकारियों को आम जनता की सहूलियत और नागरिक केंद्रित सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। समारोह को संबोधित करते हुए परिवहन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार जन-आकांक्षाओं को

प्राथमिकता देते हुए परिवहन सेवाओं का तेजी से आधुनिकीकरण कर रही है। आने वाले समय में परिवहन विभाग से जुड़े सभी कार्य पूरी तरह डिजिटल प्रणाली पर आधारित होंगे, जिससे नागरिकों को अपने आवश्यक कार्य घर बैठे ही पूर्ण करने की अभूतपूर्व सुविधा मिलेगी। जिले में पंजीकृत 2 लाख 14 हजार से अधिक वाहनों का उल्लेख करते हुए उन्होंने यातायात नियमों के पालन पर विशेष बल दिया। विशेषकर स्कूली बच्चों द्वारा वाहन चलाने की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को यातायात सुरक्षा के प्रति जागरूक करें ताकि संभावित दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। इसके साथ ही उन्होंने सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए संचालित श्राहवीर योजनाश् का जिक्र करते हुए बताया कि इसके तहत पीड़ितों को डेढ़ लाख रुपये तक के मुफ्त एवं कैशलेस इलाज की व्यवस्था दी जा रही है। उन्होंने जिले के 5 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) में परिवहन सुविधा केंद्रों के सफल संचालन और 572 लर्निंग लाइसेंस जारी होने पर खुशी जाहिर की। राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने जिलेवासियों को बधाई देते हुए बताया कि महज पौने दो वर्षों के रिकॉर्ड समय में इस सर्वसुविधायुक्त आधुनिक कार्यालय भवन का निर्माण कार्य पूरा किया गया है। उन्होंने घोषणा की कि शीघ्र ही जिले में अत्याधुनिक वाहन टेस्टिंग की सुविधा भी प्रारंभ की जाएगी, जिससे क्षेत्रीय निवासियों को जांच के लिए अन्य शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। समारोह के दौरान सामाजिक सरोकारों और नागरिक सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए 80 वर्ष से अधिक आयु के 10 वरिष्ठ बुजुर्गों को निःशुल्क बस पास प्रदान किए गए, जबकि 5 वाहन स्वामियों को लाइसेंस और 5 चालकों को सुरक्षा हेतु हेलमेट का वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंत में श्सेवा संकल्प अभियानश् के अंतर्गत श्एक पेड़ माँ के नामश् मुहिम के तहत मंत्रियों, प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने कार्यालय परिसर में पौधरोपण कर हरित पर्यावरण का संदेश दिया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा व प्रमोद शर्मा, भारत स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष, अपर आयुक्त परिवहन, मुख्य वन संरक्षक (रायपुर वृत्त) मणीवासन, कलेक्टर कुलदीप शर्मा, पुलिस अधीक्षक और डीएफ सहित अनेक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन 1076 से हो रहा समस्याओं का प्रभावी और समयबद्ध समाधान

कोरबा में शिकायत के बाद बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट हुई दुरुस्त

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण और समाधान के प्रति उनकी संतुष्टि सुशासन की महत्वपूर्ण कसौटी है। इसी दिशा में सीएम हेल्पलाइन 1076 नागरिकों की समस्याओं को सीधे शासन-प्रशासन तक पहुंचाने और उनके त्वरित समाधान की प्रभावी व्यवस्था के रूप में कार्य कर रही है। शिकायत दर्ज होने से लेकर संबंधित विभाग द्वारा कार्रवाई तथा निराकरण के बाद नागरिक से प्राप्त फीडबैक तक पूरी प्रक्रिया की सतत निगरानी की जा रही है। इसी कड़ी में कोरबा जिले के वार्ड क्रमांक 12, नई बस्ती, पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट की शिकायत का भी समाधान किया गया। शिकायतकर्ता श्री मोहम्मद रियाज ने 10 सितम्बर 2026 को सीएम हेल्पलाइन 1076 में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया था कि स्ट्रीट लाइट बंद होने के कारण क्षेत्र में रात के समय अंधेरा रहता है, जिससे स्थानीय नागरिकों को आवागमन में परेशानी हो रही है। शिकायत प्राप्त होते ही इसे संबंधित निगम प्रशासन तक पहुंचाया गया। निगम की टीम ने स्थल का निरीक्षण कर खराब स्ट्रीट लाइट की मरम्मत की और उसे पुनः चालू कराया। समस्या का समाधान होने के बाद शिकायतकर्ता श्री रियाज से फीडबैक लिया गया। उनके द्वारा निराकरण पर संतुष्टि व्यक्त किए जाने के बाद ही शिकायत को बंद किया गया। नागरिक की संतुष्टि के बाद ही शिकायत होती है बंद सीएम हेल्पलाइन 1076 में नागरिकों की शिकायतों को केवल दर्ज करने तक सीमित नहीं रखा गया है। शिकायत संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने, आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने और निराकरण के बाद शिकायतकर्ता की संतुष्टि की पुष्टि करने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। इससे समस्याओं के समाधान के साथ प्रशासनिक जवाबदेही भी मजबूत हो रही है। शिकायत से समाधान और समाधान से संतुष्टि तक सीएम हेल्पलाइन 1076 नागरिकों और शासन-प्रशासन के बीच संवाद, विश्वास और जवाबदेही की प्रभावी कड़ी के रूप में कार्य कर रही है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव सड़क एवं राष्ट्रीय राजमार्ग पर राष्ट्रीय चिंतन शिविर में हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव गुजरात के नर्मदा में आज से शुरू हुए सड़क एवं राष्ट्रीय राजमार्ग पर दो दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर में शामिल हुए। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा 'गतिशक्ति से प्रगति' थीम पर इसका आयोजन किया गया है। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने चिंतन शिविर का शुभारंभ किया। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा भी इस दौरान मौजूद थे। देश के विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सड़क निर्माण से जुड़े विभागों के मंत्री, अधिकारी, विशेषज्ञ एवं नीति निर्माता इस राष्ट्रीय चिंतन शिविर में भागीदारी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ की ओर से उप मुख्यमंत्री श्री साव के साथ लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता श्री वी.के. भतपहरी, अपर सचिव श्री एस.एन. श्रीवास्तव और राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री ज्ञानेश्वर कश्यप भी चिंतन शिविर में हिस्सा ले रहे हैं। चिंतन शिविर में भाग ले रहे विभिन्न

राज्यों के मंत्रियों, अधिकारियों, विशेषज्ञों एवं नीति निर्माताओं ने आज तीन सत्रों में भविष्य में बनने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों की डिजाइन, गुणवत्ता, रोड सेफ्टी और परियोजना प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में रायपुर से जगदलपुर, बिलासपुर से रायगढ़, कटघोरा से अंबिकापुर और रायपुर से सारंगढ़ तक फोरलेन राष्ट्रीय राजमार्गों की कार्ययोजना पर काम किया जा रहा है। चिंतन शिविर में निर्धारित किए जाने वाले फ्रेमवर्क्स से इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी।

बस्तर अंचल नक्सली हिंसा के दौर से बाहर निकलकर विकास की नई दिशा में अग्रसर - मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। लंबे समय तक नक्सल हिंसा और बारूदी सुरंगों की विभीषिका झेलने वाला बस्तर अब अंधकार से निकलकर शांति, विश्वास और विकास के नए रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी कड़ी में जगदलपुर के धरमपुरा क्रीड़ा परिसर में आयोजित तीन दिवसीय विशाल निःशुल्क दिव्यांगजन सहायता एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर ने पीड़ितों के जीवन में नई उम्मीद जगाई है। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक जारी 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत आयोजित इस शिविर में संभाग के बस्तर, कोण्डागांव, नारायणपुर एवं कांकेर जिले से 3,800 से अधिक जरूरतमंदों का पंजीयन हुआ है, जिसके माध्यम से नक्सल विस्फोटों, सड़क दुर्घटनाओं व अन्य कारणों से अपने अंग गंवा चुके नागरिकों को कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। शिविर को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर लंबे समय तक नक्सली हिंसा के दंश से जूझा है, लेकिन अब यह अंचल उस दौर से बाहर निकलकर विकास की नई दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल उपकरणों के वितरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि

दिव्यांगजनों के सम्मान, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम है। उन्होंने हिंसा में अपने अंग गंवा चुके पीड़ितों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे खुद को कभी भी अकेला न समझें, पूरी सरकार और समाज पूरी संवेदनशीलता के साथ उनके साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने रेखांकित किया कि सरकार का लक्ष्य केवल बस्तर को हिंसा से मुक्त कराना नहीं, बल्कि एक शांत, सशक्त और श्विकसित बस्तरश् का निर्माण करना है। कार्यक्रम में उपस्थित उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि नक्सलवाद का खात्मा केवल सुरक्षा बलों की कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि बारूदी सुरंगों और आईईडी विस्फोटों का शिकार होकर अपने अंग गंवाने वाले हर नागरिक को पुनः संबल देकर अपने पैरों पर खड़ा करना ही नक्सलवाद की अंतिम निशानी को मिटाना है। उन्होंने भावुक शब्दों में कहा कि नक्सलियों ने भले ही धमाकों से लोगों के पैर छीने हों, लेकिन बस्तर की जनता के आत्मबल और मां दंतेश्वरी की कृपा से आज वही लोग कृत्रिम अंगों के सहारे स्वाभिमान से आगे बढ़ रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने आईईडी ब्लास्ट के शिकार ग्रामीण संतोष पोयाम सहित कर्तव्य के दौरान घायल हुए पुलिस जवान राकेश कुमार यादव और घासीराम मांझी की जीवटता का विशेष उल्लेख किया, जो अब कृत्रिम अंगों की मदद से बिना किसी सहारे के चलने के लिए तैयार हैं। यह पुनीत अभियान जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग के समन्वय से श्जयपुर फुटश् के लिए विख्यात भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर एनएसई फाउंडेशन और भारतीय जैन संघटना के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किया जा रहा है। शिविर की खासियत यह है कि यहां ऑन-साइट आधुनिक कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा दिव्यांगजनों का व्यक्तिगत नाप लेकर मौके पर ही आधुनिक कृत्रिम हाथ, पैर, कैलिपर्स तैयार कर लगाए जा रहे हैं, जबकि पहले ही दिन 70 से अधिक हितग्राहियों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराए गए। इसके साथ ही जरूरतमंदों को व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, कैलिपर्स, बैसाखी और श्रवण यंत्र पूरी तरह निःशुल्क प्रदान किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीम शिविर स्थल पर ही परीक्षण कर दिव्यांगजनों को मेडिकल सर्टिफिकेट सौंप रही है और हितग्राहियों को मौके पर ही शत-प्रतिशत दिव्यांग पेंशन व अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से भी जोड़ा जा रहा है, ताकि उन्हें भविष्य में दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। इस महाशिविर के व्यापक विस्तार की जानकारी देते हुए भारतीय जैन संघटना के डॉ. अतुल जैन ने बताया कि पूर्व में यह शिविर कवर्धा के लिए प्रस्तावित था, किंतु उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के संवेदनशील सुझाव पर बस्तर के पीड़ितों को प्राथमिकता देते हुए इसे यहां आयोजित किया गया। शिविर की रूपरेखा दो चरणों में तय की गई है, जिसके प्रथम चरण में 5 से 7 अक्टूबर तक बस्तर, कांकेर, कोंडागांव और नारायणपुर जिलों के हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है, जिसमें अकेले बस्तर जिले के 1,570 हितग्राही शामिल हैं। इसके पश्चात संभाग के शेष जिलोंकृदंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा के लिए 15 से 17 अक्टूबर तक दंतेवाड़ा में दूसरे चरण का शिविर आयोजित होगा। उद्घाटन अवसर पर बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है और समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति की सेवा ही सबसे बड़ी ईश्वर आराधना है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा